Page-01_Layout 1 2/26/2025 12:20 AM Page 1

■ वर्ष-17 ■ अंक-38 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : दो रुपए

नई दिल्ली, बुधवार, 26 फरवरी, 2025

newdibyabharat@gmail.com

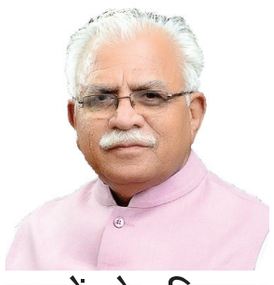

शहरों के विकास के लिए अर्बन मोबिलिटी का अच्छा होना... पृष्ठ-3

दिव्य भारत

| राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक |

यूक्रेन पर चर्चा में मैक्रों ने ट्रंप को चेताया, रूस का ट्रैक... पृष्ठ-6

संक्षिप्त

प्रवेश साहिब सिंह ने संभाला कार्यभार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण किया। प्रवेश वर्मा ने 20 फरवरी को शपथ ग्रहण के पांच दिन बाद अपना पदभार संभाला। हालांकि, इससे पहले वह बिना पदभार ग्रहण किए ही कई बार पीडब्ल्यूडी की अधिकारियों की बैठक ले चुके हैं। पदभार ग्रहण करने के दौरान दिल्ली सरकार में ही नागरिक आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुलदस्ता देकर प्रवेश वर्मा को शुभकामनाएं दी।

डीजीएमओ का मणिपुर दौरा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय सेना के सैन्य संचालन महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने भारत-म्यांमार सीमा का दौरा करके मौजूदा बॉर्डर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के बारे में जानकारी हासिल की। दो दिवसीय दौरे के आखिरी दिन मंगलवार को उन्होंने भारतीय सेना की संचालन संबंधी तैयारियों पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सीमा पर सुरक्षा स्थिति और सीमांत क्षेत्रों सहित राज्य में मौजूदा सुरक्षा संबंधी क्रियाकलापों का आकलन किया।

डीआरडीओ में फर्जी भर्ती रैकेट

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने फर्जी भर्ती रैकेट चलाने वाले अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन पर आरोप है कि वे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) में नौकरी का झूठा वादा करके बेरोजगारों को धोखा दे रहे थे। सीबीआई के बयान के अनुसार मामले में जांच जारी है और एजेंसी ने इस संबंध में जयपुर में 02 स्थानों और नई दिल्ली में एक स्थान पर तलाशी ली है।

नई दिल्ली। मंगलवार को दिल्ली विधानसभा सत्र के दौरान उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना संवाददाताओं को संबोधित करते हुए।

दिल्ली विधानसभा में कैग की रिपोर्ट पेश

आप सरकार की आबकारी नीति के कारण 2000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व का नुकसान

रमाकान्त पाण्डेय

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को विधानसभा में भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछली आम आदमी पार्टी (आआपा) सरकार की आबकारी नीति के कारण 2000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व का नुकसान हुआ। सीएजी रिपोर्ट में उल्लेख किया गया कि दिल्ली सरकार को अपनी 2021-22 की आबकारी नीति में खामियों के कारण 2,026.91 करोड़ रुपये का भारी वित्तीय झटका लगा है। इसमें दिल्ली आबकारी शराब नीति में कथित अनियमितताओं सहित पिछली आआपा सरकार के दौरान कथित वित्तीय अनियमितताओं पर प्रकाश डाला गया है। इस रिपोर्ट में भारत में निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) और दिल्ली में विदेशी शराब के विनियमन और आपूर्ति की जांच के लिए 2017-18 से 2021-22 तक चार वर्षों की अवधि को कवर करते हुए दिल्ली में शराब के विनियमन और आपूर्ति पर किए गए निष्पादन लेखापरीक्षा के परिणाम शामिल हैं। वर्ष 2017-21 की अवधि के लिए लेखा परीक्षा निष्कर्षों में लाइसेंस प्रदान करने में उल्लंघन करने के साथ ही आईएमएफएल के मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता की कमी, शराब की गुणवत्ता पर अपर्याप्त नियंत्रण, राजस्व रिसाव की समय पर पहचान और रोकथाम व शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के संबंध में कमजोर नियामक कार्यप्रणाली, दिल्ली आबकारी अधिनियम अथवा नियमों के उल्लंघन के मामलों में साक्ष्य संग्रह और पुष्टि में कठोरता की कमी आदि शामिल हैं। यह रिपोर्ट नई आबकारी नीति (2021-22) में कमियों को भी सामने लाती है। इसमें नई आबकारी नीति के गठन के लिए बदलावों का सुझाव देने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों की अनदेखी करना। राज्य के स्वामित्व वाली थोक इकाई के बजाय निजी संस्थाओं को थोक लाइसेंस प्रदान करना, प्रति दो दुकानें आवंटित की जाती हैं। लेखा परीक्षा निष्कर्षों का कुल वित्तीय निहितार्थ लगभग 2,026.91 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब समाप्त हो चुकी नीति के गठन में बदलाव के सुझाव देने के लिए गठित विशेषज्ञ पैनल की सिफारिशों को तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया ने नजरअंदाज कर दिया था। इसके अतिरिक्त, रिपोर्ट में कहा गया है कि लाइसेंसों के सरेंडर और शराब क्षेत्रों के लिए पुनः निविदा जारी करने में विभाग की विफलता के कारण आबकारी विभाग को 890.15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। कैग रिपोर्ट में कोविड-19 प्रतिबंधों का हवाला देते हुए लाइसेंस धारकों को दी गई 144 करोड़ रुपये की अनियमित छूट पर भी प्रकाश डाला गया है, जिसे वित्त विभाग की आपत्तियों के बावजूद मनीष सिसोदिया ने व्यक्तिगत रूप से मंजूरी दी थी।

भ्रष्टाचार मुक्त कार्यकुशल शासन देगी दिल्ली सरकार : उपराज्यपाल

दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में बनी दिल्ली सरकार के 10 सूत्री एजेंडे को सामने रखा। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन पर ध्यान देते हुए दिल्ली को भ्रष्टाचार मुक्त कार्यकुशल सरकार देगी। उपराज्यपाल ने 8वीं दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र में मंगलवार को अपने अभिभाषण में नई भाजपा सरकार का रोड मैप पेश किया। उन्होंने 10 सूत्री एजेंडे के बारे में बताया। इसमें भ्रष्टाचार मुक्त कुशल प्रशासन, महिलाओं का सशक्तीकरण, गरीबों का कल्याण, स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, उत्कृष्ट शिक्षा प्रणाली, विश्व स्तरीय सड़क परिवहन, स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त दिल्ली, यमुना नदी का पुनरुद्धार, स्वच्छ पानी और अनधिकृत कालोनियों का नियमितीकरण और सस्ती आवास सुविधायें शामिल हैं।

पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से है एक : राष्ट्रपति

पटना, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज बिहार की अमूल्य धरोहरों में से एक है। इस संस्थान का पुरातनता को संरक्षित करने और आधुनिकता की ओर निरंतर अग्रसर होने का गौरवशाली इतिहास रहा है। पटना मेडीकल कालेज एवं हास्पिटल (पीएमसीएच) एशिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में से एक रहा है। इस संस्थान के पूर्व छात्रों ने अपनी प्रतिभा, सेवा और समर्पण के बल पर देश-विदेश में अपना और पीएमसीएच का नाम रोशन किया है। वह मंगलवार को पटना मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के शताब्दी समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहीं थीं।

राष्ट्रपति ने कहा कि इलाज के लिए दूसरे शहर या राज्य में जाने से कई तरह से नुकसान होता है, जैसे इलाज में देरी, भोजन, आवास और रोजगार की समस्या। इससे बड़े शहरों के चिकित्सा संस्थानों पर भी बोझ पड़ता है। देश भर में अच्छे चिकित्सा संस्थानों का विकेंद्रीकरण इन सभी समस्याओं को हल करने में मददगार साबित होगा। चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और इंदौर जैसे शहर विशिष्ट उपचार के केंद्र के रूप में विकसित हुए हैं। बिहार को भी ऐसे कई केंद्र विकसित करने चाहिए। इससे न केवल बिहार के लोगों को अच्छी चिकित्सा मिलेगी, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि पीएमसीएच और इसके पूर्व छात्र अपने अनुभव से इस प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। यह तकनीक का युग है। चिकित्सा क्षेत्र में भी तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसी तकनीकें चिकित्सा प्रक्रिया को सरल और सटीक बना रही हैं। उन्होंने पीएमसीएच के सभी हितधारकों से नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहने का आग्रह किया। कहा कि इससे न केवल इलाज आसान होगा, बल्कि डॉक्टरों का ज्ञान और दक्षता भी बढ़ेगी।

सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने पर भाजपा ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आज राऊज एवेन्यू कोर्ट द्वारा सिख दंगो के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दो-दो मामलों में सजा होने के बावजूद आज तक कांग्रेस सज्जन कुमार को पार्टी से निष्कासित नहीं कर पाई, जो उनके सिख विरोधी चेहरे को साफ दशार्ता है। वीरेंद्र सचदेवा ने राहुल गांधी से सवाल किया कि ऐसी क्या मजबूरी है जो कांग्रेस ऐसे लोगों को अपनी पार्टी से बाहर नहीं कर पा रही है। अपनी मंशा को कांग्रेस नेता राहुल गांधी स्पष्ट करें कि सिख भाई-बहनों के गुनहगार को पालने की ऐसी क्या मजबूरी है। आज भी दिल्ली ही नहीं, देशवासियों के दिल दिमाग में सिख नरसंहार की वह काली तस्वीर आज भी ताजा है, जब खुलेआम नरसंहार किया गया और उस समय की कांग्रेस सरकार हाथ पर हाथ रखे बैठी रही।

भाजपा शासन में असम की अर्थव्यवस्था का मूल्य दोगुना होकर 6 लाख करोड़ हुआ : मोदी

आलोक पाण्डेय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के दौरान असम की अर्थव्यवस्था का मूल्य दोगुना होकर 6 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह डबल इंजन सरकार का प्रभाव है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वी भारत और नॉर्थ-ईस्ट की भूमि आज नए भविष्य की शुरूआत करने जा रही है। एडवांटेज असम पूरी दुनिया को असम की संभावना और प्रगति से जोड़ने का महाअभियान है। इतिहास गवाह है कि पहले भी भारत की समृद्धि में ईस्टर्न इंडिया का बहुत बड़ा रोल था। आज जब भारत विकसित होने की तरफ बढ़ रहा है तो एक बार फिर हमारा ये नॉर्थ-ईस्ट अपना सामर्थ्य दिखाने जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज भारत अपनी स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रहा है। आज भारत, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौते कर रहा है। ईस्ट एशिया के साथ हमारी कनेक्टिविटी लगातार सशक्त हो रही है और नया बन रहा भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा भी अनेक नई संभावनाएं लेकर आ रहा है।

मोदी ने कहा कि इस वैश्विक अनिश्चितता के बीच भी दुनिया के कई विशेषज्ञ एक बात को लेकर निश्चिंत हैं और वो है भारत का तेज विकास। भारत पर इस भरोसे की बहुत ठोस वजह है। आज का भारत, आने वाले 25 सालों की 21वीं सदी के दीर्घकालिक विजन को ध्यान में रखते हुए, एक के बाद एक कदम उठा रहा है, बड़े पैमाने पर काम कर रहा है। आज दुनिया को भारत की युवा आबादी पर भरोसा है जो बहुत तेजी से हुनरमंद हो रही है। आज दुनिया को भारत के नव मध्यम वर्ग पर भरोसा है जो गरीबी से बाहर निकलकर नई आकांक्षाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। आज दुनिया को भारत के 140 करोड़ लोगों पर भरोसा है जो राजनीतिक स्थिरता और नीतिगत निरंतरता का समर्थन करते हैं। आज दुनिया को भारत की गवर्नेंस पर भरोसा है जो लगातार सुधार कर रही है। आज भारत अपनी लोकल सप्लाई चेन को मजबूत कर रहा है।

उन्होंने कहा कि असम का योगदान बढ़ रहा है। 2018 में एडवांटेज असम का पहला संस्करण लॉन्च किया गया था। तब असम की अर्थव्यवस्था करीब 2.75 लाख करोड़ रुपये थी, जो अब 6 लाख करोड़ रुपये हो गई है।

भारत को 2027 तक बनाएंगे विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था : अमित शाह

भोपाल, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की 130 करोड़ जनता के सामने 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य भी रखा है। मध्य प्रदेश की ये समिट दोनों लक्ष्यों को साकार करने में सहायक होगी। कोई एक सरकार देश का विकास नहीं कर सकती। टीम इंडिया में राज्य सरकार और भारत सरकार मिलकर काम करे।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह मंगलवार को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि समिट में लोकल और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट के कई डायमेंशन अचीव किए गए हैं। देश में मध्य प्रदेश निवेश के लिए एक बड़ा आकर्षण केंद्र बना है। बिजली, पानी, सड़क को लेकर जो मध्य प्रदेश बीमारू राज्य माना जाता था, उसे भाजपा सरकार ने 20 साल में बदल कर रख दिया है। अब यहां विकास के बड़े काम हुए हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि जिस तरह की कार्ययोजना सरकार ने बनाई है, इसमें से अधिकतर एमओयू जमीन पर उतरेंगे।

उन्होंने कहा कि 10 साल में बुलंद इमारत की नींव डाली गई है, इससे देश के विकास के नए आयाम खुलेंगे। बैंकिंग सेक्टर में दस साल के अंदर 56 करोड़ लोगों को बैंकिंग उपलब्ध कराने का काम किया। देश में 10 सालों में हवाई अड्डे 74 की जगह 157 हो गए हैं। जो सेक्टर दुनिया की अर्थव्यवस्था तय करने वाले हैं, ऐसे सेक्टर का फाउंडर भारत बना है। चाहे वो एआई हो या दूसरे सेक्टर। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के 20 साल के शासन में आज यहां 5 लाख किमी रोड नेटवर्क है। छह हवाई अड्डे हैं, 31 गीगावॉट की ऊर्जा क्षमता है।

Page-02_Layout 1 2/26/2025 12:23 AM Page 1

भाजपा ने कैग रिपोर्ट को लेकर आआपा पर निशाना साधा

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मंगलवार को नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट पर आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली विधानसभा में प्रस्तुत कैग रिपोर्ट से स्पष्ट है कि भ्रष्ट अरविंद केजरीवाल सरकार की शराब नीति में 2,002.68 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था। दिल्ली भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आआपा की नीतियों से राजस्व में भारी नुकसान हुआ है। इसमें अवैध रूप से दुकानें खोलने से 941.53 करोड़ का घाटा, सरेंडर किए गए लाइसेंसों की फिर से नीलामी न करने से 890 करोड़ रुपए की हानि। कोविड़-19 के नाम पर जोनल लाइसेंसियों को 144 करोड़ रुपए की छूट, सुरक्षा जमा राशि ठीक से न लेने से 27 करोड़ रुपए का नुकसान शामिल है। सचदेवा ने कहा कि आज न सिर्फ दिल्ली, बल्कि पूरा देश देख रहा है कि आप-दा सरकार की शराब नीति में हुए भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन ने दिल्ली की अर्थव्यवस्था को कितना नुकसान पहुँचाया है। उन्होंने कहा कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट सरकार के कार्यो का लेखा-जोखा होती है। इसे सार्वजनिक करने का काम सरकार का है। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे विधानसभा में पेश कर आआपा के घोटालों को बाहर लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि अब मामले जारी जांच की गति तेज हो गई है जिसमें पता चला है कि मनीष सिसोदिया ने सभी रिपार्ट को कूड़े में फेक दिया था। अब शराब घोटाले के मामले में अरविंद केजरीवाल, सांसद संजय सिंह और मनीष सिसोदिया सामने आकर जवाब दें। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि कैग रिपोर्ट को आज विधानसभा की पटल पर रखा गया। लेकिन आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल नहीं चाहते थे कि ये रिपोर्ट विधानसभा में रखी जाए। दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का घोटाला आज पता चला।

तिवारी ने कहा कि केजरीवाल इनकम टैक्स के अधिकारी है लेकिन उन्होंने इतने भ्रष्टाचार किए हैं और आज सारे भ्रष्टाचार का खुलासा हो गया। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कैग रिपोर्ट से पता चलता है कि आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दस साल तक दिल्ली को लूटने का काम किया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का भ्रष्टाचार करने का काम पहले दिन से ही तय था कि सरकार बनाकर के भ्रष्टाचार करेंगे। खंडेलवाल ने कहा कि शराब नीति बनाते समय केजरीवाल ने न कैबिनेट की मंजूरी ली न ही गवर्नर की। जिससे की इतना बड़ा घोटाला किया गया। उन्होंने कहा कि आज विधानसभा के सत्र में लगभग नौ विधायकों का सदन में न होना ये बताता है कि वे सभी आम आदमी पार्टी (आआपा) को छोड़ रहे हैं।

नई दिल्ली। विधानसभा में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का अभिभाषण के लिए पधारने पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

डीएमआरसी ने फेज–चार का निर्माण कार्य पूरा किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली मेट्रो रेल कॉपोरेशन (डीएमआरसी) ने चौथे चरण का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है। डीएमआरसी के अनुसार तुगलकाबाद-एरोसिटी कॉरिडोर के छतरपुर मंदिर और इग्नू स्टेशन के बीच एक भूमिगत सुरंग का निर्माण पूरा हो गया है। इग्नू स्टेशन पर टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) की सफल ब्रेकथ्रू प्रक्रिया में मंगलवार को उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक आनंद मोहन बजाज, अपर उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक प्रमोद कुमार, डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार के अलावा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) ने मंगलवार सुबह इग्नू स्टेशन पर, 1475.00 मी. लंबी सुरंग का निर्माण पूरा कर लिया। यह कार्य 97 मीटर लंबी विशाल टीबीएम का उपयोग करके संपन्न किया गया।

डीएमआरसी के अनुसार इस खंड में अप और डाउन मूवमेंट के लिए दो समानांतर गोलाकार सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। दूसरी समानांतर सुरंग का ब्रेकथ्रू मार्च 2025 में निर्धारित है। यह नई सुरंग औसतन 26.0 मीटर की गहराई पर बनाई गई है (न्यूनतम गहराई 15.0 मी. और अधिकतम 36 मी.), जिससे यह दिल्ली मेट्रो की सबसे गहरी सुरंगों में से एक बन गई है। हौज खास स्थित मैजेंटा लाइन की सुरंग लगभग 30 मीटर की गहराई पर बनी है। इस सुरंग में 1048 रिंग्स लगाए गए हैं, जिनका आंतरिक व्यास 5.8 मीटर है। इस सुरंग का निर्माण ईपीबीएम (अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मेथड) तकनीक का उपयोग करके किया गया है। जिसमें प्रीकास्ट टनल रिंग्स की कंक्रीट लाइनिंग की गई है। इन टनल रिंग्स को मुंडका में स्थापित एक पूरी तरह से स्वचालित कास्टिंग यार्ड में तैयार किया गया था। इसमें कंक्रीट सेगमेंट को शीघ्र मजबूती प्रदान करने के लिए स्टीम क्योरिंग सिस्टम के माध्यम का उपयोग किया गया।

डीएमआरसी ने आगे बताया कि इस सुरंग की बोरिंग प्रक्रिया चार दिसंबर 2023 को शुरू हुई थी, जिसमें तीव्र ढलान और अभ्रक तथा कठोर चट्टान जैसी विविध भूगर्भीय चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस कारण स्क्रू ऑगर क्षतिग्रस्त हो गया और इसे सुरंग निर्माण के दौरान बदला गया। मौजूदा वायाडक्ट और आसपास के निर्मित ढांचों के नीचे सुरंग निर्माण के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाए गए। इसके अलावा पास की संरचनाओं पर उच्च संवेदनशीलता वाले उपकरण लगाए गए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी भूमि धंसाव न हो। अब तक स्वीकृत चौथे चरण के कार्य के तहत कुल 40.109 कि.मी. भूमिगत लाइनों का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर के तहत 19.343 कि.मी. भूमिगत सेक्शन शामिल है।

ठगी के मामले में पुलिस ने आरोपी को केरल से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) पुलिस ने फर्जी दस्तावेज के जरिए लोगों को विदेश भेजने का झांसा देकर ठगी करने वाले एजेंट को केरल से गिरफ्तार किया है। आरोपित एजेंट एमबीए डिग्री धारक है और केरल में अपना कंसल्टेंसी ऑफिस चला रहा था। एजेंटों के संपर्क में आकर ठगी करने लगा। गिरफ्तार आरोपित की पहचान कैनाल रोड थोट्टाक्कटुकल केरल निवासी रूपेश पीआर के रूप में हुई है।

आईजीआई की डीसीपी ऊषा रंगनानी ने बताया कि 25 जनवरी को त्रिपुरा निवासी डिजो डेविस दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचा। उसे इटली से निर्वासित किया गया था। यात्रा दस्तावेज जांच में उसके पास से इटली का एक फर्जी रेजिडेंट परमिट मिला। पुलिस ने यात्री के खिलाफ फजीर्वाड़ा का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में डिजो डेविस ने बताया कि उसके कुछ दोस्त बेहतर आजीविका के लिए विदेश गए थे। उसने भी विदेश जाने का फैसला किया। दोस्त के जरिए एजेंट रूपेश से मिला, जिसने 8.20 लाख रुपये लेकर इटली की यात्रा की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया था।

डीसीपी के अनुसार आईजीआई पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को केरल से गिरफ्तार किया है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

एलजी के अभिभाषण के दौरान शोर-शराबा करने पर आआपा के 21 विधायक तीन दिन के लिए निलंबित

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को उपराज्यपाल के अभिभाषण के बीच गतिरोध पैदा करने के आरोप में आम आदमी पार्टी के 21 विधायकों को तीन दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। बताया गया है कि यह निलंबन दो हिस्सों में किया गया।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विपक्ष की नेता आतिशी सहित गोपाल राय और अन्य 12 विधायकों को एक दिन के लिए एलजी के संबोधन के दौरान नारेबाजी करने पर सदन से बाहर कर दिया। इसमें वीर सिंह धिंगान, मुकेश अहलावत, चौधरी जुबैर अहमद, अनिल झा, विशेष रवि और जरनैल सिंह व अन्य शामिल हैं।

दिल्ली के उपराज्यपाल के अपना अभिभाषण शुरू करते ही विपक्षी आम आदमी पार्टी विधायकों ने हंगामा शुरू कर दिया। वे जय भीम के नारे लगा रहे थे। इसके बाद अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने मार्शल बुलाकर हंगामा करने वाले विधायकों को बाहर करने के निर्देश दिए। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सीएजी रिपोर्ट सदन के पटल पर रख दी गई है और सदस्य इस पर चर्चा चाहते हैं, जो 27 फरवरी को जारी रहेगी और फिर इसे आगे की कार्रवाई के लिए लोक लेखा समिति को भेजा जाएगा। सीएजी रिपोर्ट के अन्य खंड भी भविष्य में सदन के पटल पर रखे जाएंगे। सदन में हुए हंगामे के बाद आआपा विधायकों के निलंबन पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने एलजी के अभिभाषण के दौरान बहुत ही असंवैधानिक तरीके से व्यवहार किया। सदन की गरिमा बनाए रखना सबसे महत्वपूर्ण है। उनका (आआपा के सदस्यों का) व्यवहार निंदनीय है। इसलिए उनका निलंबन तीन बैठकों (25, 27 और 28 फरवरी) तक वैध है। निलंबित आआपा विधायकों ने मंगलवार को विधानसभा परिसर में अंबेडकर की तस्वीर के साथ विरोध प्रदर्शन किया और जय भीम के नारे लगाए।

नई दिल्ली। आंबेडकर की तस्वीर हटाने के मुद्दे को लेकर मंगलवार को विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन करते आम आदमी पार्टी के नेता।

हत्या की गुत्थी सुलझी, दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। दक्षिणी जिले के महरौली थाना पुलिस ने हत्या के मामले में फरार दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान कुशाल उर्फ सोनी (36) और शिवा उर्फ नोनी (27) के रूप में हुई है। दोनों लाडो सराय के रहने वाले है।

दक्षिणी जिले के डीसीपी अंकित चौहान ने मंगलवार को जानकारी देते हुए बताया कि उक्त मामले में पुलिस ने हत्या की घटना के दौरान आरोपित कुशल द्वारा पहने गए कपड़े बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपितों ने खुलासा किया है कि मृतक सुभाष लाडो सराय इलाके में अपना वर्चस्व कायम करने के लिए धमकाता था। इसी से परेशान होकर उन्होंने हत्या की वारदात को अंजाम दिया।

डीसीपी ने बताया कि 19 फरवरी को महरौली थाना पुलिस को लाडो सराय श्मशान के पास एक शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। समाचार मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच की तो मृतक की पहचान सुभाष उर्फ मोनू के रूप में हुई। जांच में पता चला कि सुभाष साकेत इलाके का घोषित बदमाश (बीसी) था। महरौली थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर दो टीमों का गठन किया। एक टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाल कर दो संदिग्ध की पहचान की। इस बीच जांच टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपितों को नांगलोई इलाके से गिरफ्तार किया।

नोएडा हाट में हथकरघा, हस्तशिल्प उत्पाद की प्रदर्शनी लोगों को रही लुभा

नोएडा, (हि.स.)। ग्रामीण विकास एवं संचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी व ग्रामीण विकास राज्यमंत्री कमलेश पासवान ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर- 33 ए स्थित नोएडा हाट में सरस आजीविका मेले का उद्घाटन किया। सरस आजीविका मेला का आयोजन 10 मार्च तक किया जा रहा है।

इस मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण भारत की शिल्प और कलाओं को प्रदर्शित करना है। मेले का आयोजन ग्रामीण विकास मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) के सहयोग से हो रहा है। जिसकी थीम लखपति एसएचजी दीदियों की निर्यात क्षमता का विकास थीम रखी गयी है।

मेला पहुंच रहे लोग 30 राज्यों के स्वयं सहायता समूहों (एनजीओ) द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों का आनंद ले रहे हैं। एनजीओ द्वारा बनाए गए हथकरघा, हस्तशिल्प और प्राकृतिक खाद्य उत्पादों को प्रदर्शनी और बिक्री के लिए 200 स्टॉल पर प्रदर्शित किया गया है। इसके अलावा 20 राज्यों के 25 लाइव फूड स्टॉल भी नोएडा हाट में अपने जातीय व्यंजनों और स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन कर रहे हैं। देशभर के लगभग 450 एसएचजी सदस्य इस सरस आजीविका मेले में भाग ले रहे हैं।

मेले में आंध्र प्रदेश की कलमकारी, असम की मेखला चादर, बिहार की कॉटन और सिल्क, छत्तीसगढ़ की कोसा साड़ी, गुजरात की भारत गुंथन, पैचवर्क, झारखंड की तसर सिल्क और कॉटन, मध्य प्रदेश से चंदेरी व बाग प्रिंट, मेघालय से एरी उत्पाद, ओडिशा से तसर और बंधा, तमिलनाडु से कांचीपुरम, तेलंगाना से पोचमपल्ली, उत्तराखंड से पश्मीना, पश्चिम बंगाल से कांथा, बाटिक प्रिंट, तांत और बालूचरी भी देखने को मिल रही है। मेले में विभिन्न राज्यों के हस्तशिल्प, आभूषण और घर की सजावट के उत्पाद भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इसके अलावा खाद्य स्टॉल पर अदरक, चाय, दाल, कॉफी, पापड़, सेब जैम और अचार जैसे प्राकृतिक खाद्य उत्पाद भी उपलब्ध हैं।

तड़के एक मकान में अचानक आग लग गई

नई दिल्ली, (हि.स.)। द्वारका सेक्टर-16 इलाके में मंगलवार तड़के एक मकान में अचानक आग लग गई। घटना में दो वाहन, घरेलू सामान और वहां स्थित एक दुकान जल गई। मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दमकल की आठ गाड़ियों ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

दमकल विभाग के अनुसार तड़के तीन बजकर 21 मिनट पर सूचना मिली कि द्वारका सेक्टर-16ए आजाद नगर स्थित एक मकान में आग लग गई है। सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर दमकल की आठ गाड़ियां भेजी गईं।

दमकल अधिकारी के अनुसार मकान के ग्राउंड फ्लोर पर परचून की दुकान थी। घटना में दो वाहन, दुकान व मकान की पहली मंजिल जली है। दमकल अधिकारी के अनुसार दमकल ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

शब्द पहेली - 8415

1	2		3		4		■	■
■		■		■		■	5	■
6		■	7			■	8	9
	■	10		■	11	12	■	
13			■	■		14		
	■	15	16	■	17		■	
18	19	■	20			■	21	
■		■		■		■		■
■	■	22						

बाएँ से दाएँ

1. कृष्ण का एक नाम-4,3
6. धन, संपत्ति-2
7. इस युवती को बयान बदलने पर जेल की सजा हुई है-3
8. विजय, फतह-2
10. आम जनता, लोग-2
11. लाभ, कुल योग-2
13. निर्माण, कृति-3
14. उत्तर-3
15. नष्ट, विनाश-2
17. रुस्तमे हिंद का सिर्फ नाम-2
18. तह, अस्तर-2
20. राजी होना-3
21. अवरोध, रुकावट-2
22. आतंक फैलना-4,3

ऊपर से नीचे

2. भिड़ंत, मुठभेड़-3
3. इस्लामी महीना-4
4. हाथी, गज-4
5. न्यायाधीश-2
6. जोरदार-5
9. लालसी, आकांक्षी, पिपासु-5
10. स्त्रीत्वपूर्ण, स्त्रीय-3
12. वृतांत, घटना-3
16. हल, निष्कर्ष-4
17. राशन, भोजन-4
19. घोड़ा गाड़ी-2
21. रुकावट, अवरोध-3

शब्द पहेली -8414 का हल

अ	प	ना	प	न	■	प	क	ना
रा	ल	■	त	■	ख	स	म	■
ज	■	का	न	न	■	■	जो	श
क	ह	र	■	क	र	ता	र	■
ता	■	ग	■	छे	■	र	■	फ
■	ब	र	ग	द	■	ता	मी	र
द	गा	■	■	न	ज	र	■	मा
■	व	त	न	■	ह	■	पा	ई
फ	त	ह	■	स	र	फ	रे	श

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7353

मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7352 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

दैनिक पंचांग

26 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.18 बजे से
चंद्र	मकर में	मेष	08.48 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृष	10.29 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.27 बजे से
गुरु	वृष में	कर्क	14.40 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.56 बजे से
शनि	कुंभ में	कन्या	19.08 बजे से
राहु	मीन में	तुला	21.19 बजे से
केतु	कन्या में	वृश्चिक	23.34 ब.से
राहुकाल		धनु	01.50 बजे से
12.00 से 1.30 बजे तक		मकर	03.55 बजे से
		कुंभ	05.41 बजे से

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54	से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41	से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22	से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12	से	08.44 बजे तक
काल	08.15	से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44	से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19	से	11.47 बजे तक	चर	10.16	से	11.47 बजे तक
रोग	11.47	से	01.16 बजे तक	रोग	11.47	से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16	से	02.44 बजे तक	काल	01.19	से	02.51 बजे तक
चर	02.44	से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51	से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12	से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23	से	05.54 बजे तक

बुधवार 2025 वर्ष का 57 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 शक संवत् 1946
मास फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
पक्ष कृष्ण तिथि त्रयोदशी 11.09 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 17.23 बजे को समाप्त।
योग परिघ 02.57 बजे रात्र को समाप्त।
करण वणिज 11.09 बजे तदनन्तर विष्टि 22.06 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 42'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872267
जूलियन दिन 2460732.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान तारीख 27
विशेष महा शिवरात्रि।

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

Page-03_Layout 1 2/26/2025 12:22 AM Page 1

शहरों के विकास के लिए अर्बन मोबिलिटी का अच्छा होना और सस्ते मकान जरूरी : खट्टर

भोपाल, (हि.स.)। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि शहरों के विकास के लिए अर्बन मोबिलिटी का अच्छा होना और सस्ते मकान जरूरी हैं। रियल एस्टेट सेक्टर में डेवलपमेंट के लिए जो भी सुझाव मिलेंगे, केंद्र सरकार उन पर काम करेगी। वर्ष 2047 तक देश की नगरीय आबादी कुल आबादी का 50 फीसदी तक हो जाएगी। ऐसे क्षेत्रों में बढ़ती आबादी के हिसाब से सारे मापदंड तय करने पड़ेंगे।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल भोपाल में आयोजित दो दिवसीय ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दूसरे दिन मंगलवार को एमपी इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी, पुनर्घनत्वीकरण और मध्य प्रदेश हाउसिंग रिडेवेलपमेंट पॉलिसी पर आयोजित सत्र को संबोधित कर रहे थे। सेशन में शामिल होने से पहले उन्होंने डिजिटल प्रोग्रेस वॉल देखी। बाग प्रिंट की डाई से कपड़े पर ब्लॉक (छापा) लगाया। अनलॉकिंग लैंड वैल्यू इन सिटीज विषय पर हुए सेशन में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विश्वास सारंग और प्रतिमा बागरी मौजूद रहे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मध्य प्रदेश ने जो ई व्हीकल पॉलिसी बनाई है, वह इलेक्ट्रिकल व्हीकल को बढ़ावा देगी। स्लम डेवलपमेंट के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। एमपी के मुख्य सचिव अनुराग जैन आवास निर्माण में खासी रुचि रखते हैं। उनके अनुभव का लाभ सभी को उठाना चाहिए। उन्होंने दिल्ली में भी इसको लेकर काम किया है। उन्होंने टीओडी पॉलिसी का जिक्र करते हुए कहा कि आज सबसे ज्यादा जरूरत सस्ते मकानों की है। मनोहर लाल ने पीएम आवास की अगली योजना में राज्य सरकार के दिए गए 10 लाख आवासीय मकान के प्रस्ताव को मंजूरी देने का आश्वासन भी दिया।

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख सचिव संजय शुक्ला ने अनलॉकिंग लैंड वैल्यू इन सिटीज विषय पर प्रेजेंटेशन देते हुए कहा कि अफॉर्डेबल हाउसिंग में मध्य प्रदेश सरकार ने अच्छा काम किया है। सरकार आने वाले समय में शहरों के विकास के लिए बॉन्ड जारी करेगी। इसमें ऐसे शहरों को शामिल किया जाएगा, जो खुद अपना बॉन्ड जारी नहीं कर सकते। आज जिन मुद्दों पर चर्चा होनी है, उनमें इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी शामिल है। इसको रूरल अर्बन ट्रांजिशन एरिया भी कहते हैं। इसमें ऐसे गांवों को शामिल किया जाएगा, जो आने वाले समय में शहर बन सकते हैं। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि अर्बनाइजेशन आज की आवश्यकता है। वर्ष 2047 तक प्रदेश की जनसंख्या सात फीसदी तक बढ़ जाएगी। प्रदेश के विकास के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने दो महीने में 18 नई पॉलिसी बनाई हैं। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए सरकार काम कर रही है।

पटना। पीएमसीएच के शताब्दी वर्ष समारोह के मंच पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आपस में बातचीत करते हुए।

लखनऊ। विधानसभा सत्र में जाते विधायकगण व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

जसीडीह-झाझा रेलखंड पर रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता से बचीं सैकड़ों जान

पटना, (हि.स.)। बिहार में झाझा-जसीडीह रेलखंड पर बीती देर रात एक बजे रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता से सैकड़ों लोगों की जान बच गई। पूर्वी रेलवे के झाझा-जसीडीह रेलखंड पर रेलवे की सतर्क पेट्रोलिंग टीम ने अप ट्रैक पर दो फिश प्लेटों को खुला पाया गया।

रेलवे ट्रैक की पेट्रोलिंग कर रहे कर्मचारी सूरज वर्मा और चंद्रिका यादव ने किलोमीटर संख्या 344/17-19 के पास ट्रैक की गड़बड़ी को देखा। उन दोनों ने देखा कि एक फिश प्लेट पूरी तरह खुली हुई थी, जबकि दूसरी के नट-बोल्ट ढीले थे। उन्होंने बिना देर किए विभागीय अधिकारियों को इसकी जानकारी दी, जिससे समय रहते ट्रैक की मरम्मत की जा सकी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए 13,185 अप सियालदह-जयनगर गंगासागर एक्सप्रेस को 45 मिनट तक रोका गया। इस दौरान रेलवे कर्मियों ने तेजी से ट्रैक की मरम्मत की और सुनिश्चित किया कि कोई तकनीकी दिक्कत न रहे। एईएन जसीडीह पिंटू दास ने बताया कि जांच जारी है कि फिश प्लेट प्राकृतिक रूप से खुली थी या किसी ने जानबूझकर इसे खोला था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी इस रेलखंड में संदिग्ध गतिविधियां देखी गई हैं।

महाशिवरात्रि पर श्री सोमनाथ का प्रसाद स्पीड पोस्ट से प्राप्त करें

राजकोट/अहमदाबाद, (हि.स.)। महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। हर भक्त भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग रूप के दर्शन करने और आशीर्वाद के रूप में प्रसाद प्राप्त करने की इच्छा रखता है। इस इच्छा को पूरा करने के लिए डाक विभाग की पहल के तहत स्पीड पोस्ट के माध्यम से लोग देश के किसी भी कोने में घर बैठे गुजरात के श्री सोमनाथ मंदिर, वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर और उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर का प्रसाद प्राप्त कर सकते हैं। डाक विभाग के उत्तर गुजरात तथा सौराष्ट्र एवं कच्छ क्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने कहा है कि श्री सोमनाथ ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं को उनके घरों तक प्रसाद पहुंचाने के लिए भारतीय डाक विभाग के साथ सहयोग किया है। कोई भी भक्त प्रबंधक, श्री सोमनाथ ट्रस्ट, प्रभास पाटन, जिला-जूनागढ़ को 270 रुपये का ई-मनीऑर्डर भेजकर स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रसाद मंगवा सकता है। प्रसाद की बुकिंग ई-मनीऑर्डर पर लिखी होनी चाहिए। इसके बाद श्री सोमनाथ ट्रस्ट संबंधित भक्त को स्पीड पोस्ट के माध्यम से 400 ग्राम का प्रसाद का पैकेट भेजेगा। इस प्रसाद में 200 ग्राम मगस लड्डू, 100 ग्राम तिल की चिक्की और 100 ग्राम मावा चिक्की होगी। इस ही तरह श्री काशी विश्वनाथ मंदिर का प्रसाद भी स्पीड पोस्ट सेवा के माध्यम से देश भर के लोगों को उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके तहत केवल 251 का ई-मनीऑर्डर प्रवर अधीक्षक डाकघर, वाराणसी (पूर्वी) मंडल के नाम भेजना होगा। ई-मनीऑर्डर प्राप्त होने के बाद उसे डाक विभाग द्वारा दिए गए पते पर स्पीड पोस्ट के माध्यम से तुरंत भेज दिया जाएगा। प्रसाद में श्री काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग की छवि, महामृत्युंजय यंत्र, श्री शिव चालीसा शामिल हैं इसमें 108 दानों की रुद्राक्ष माला, बेलपत्र, मां अन्नपूर्णा से भिक्षा मांगते भोले बाबा की छवि वाला सिक्का, भभूति, रक्षा सूत्र, रुद्राक्ष की माला, फल, चीनी का पैकेट आदि शामिल हैं। उज्जैन के प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर का प्रसाद डाक के माध्यम से भी मंगवाया जा सकता है। इसके लिए 251 का ई-मनीऑर्डर प्रबंधक, स्पीड पोस्ट केंद्र, उज्जैन को भेजना होगा और बदले में वहां से स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रसाद भेजा जाएगा। इस प्रसाद में 200 ग्राम लड्डू, भभूति और भगवान श्री महाकालेश्वरजी की छवि शामिल है। इसके अलावा महाशिवरात्रि पर डाकघर से गंगाजल की सुविधा भी उपलब्ध है। गंगाजल की 250 मिलीलीटर की बोतल मात्र 30 रुपये में खरीदी जा सकती है। श्रद्धालुओं को डाक विभाग द्वारा उनके मोबाइल नंबर पर एसएमएस के माध्यम से स्पीड पोस्ट की जानकारी प्राप्त हो सके, इसके लिए श्रद्धालुओं को ई-मनीऑर्डर में अपना पूरा पता, पिन कोड व मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य होगा।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में मध्य प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएं : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल, (हि.स.)। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाएँ हैं। मध्य प्रदेश निवेश के लिये आवश्यक अधोसंरचना के साथ एक लाख हैक्टेयर का लैण्ड बैंक रखने वाला देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी फसलों के अंतर्गत टमाटर, मटर, प्याज, लहसुन, मिर्च, गेहूँ और चावल उत्पादन में देश अग्रणी है। उन्होंने कहा कि कृषि-उद्यानिकी उत्पादन की प्रचुर मात्रा में उत्पादन से किसान को फसल का भरपूर दाम नहीं मिल पाता है। इसलिये आवश्यक है कि प्रदेश में फूड प्रोसेसिंग को बढ़ावा दिया जाये। इससे फसलों का वैल्यू एडीशन होगा। किसान और उत्पादक इकाई, दोनों लाभान्वित होंगे। इसी तरह भारत पूरी दुनिया में फूड प्रोसेसिंग के लिये वर्ल्ड लीडर बन सकता है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान मंगलवार को कृषि, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025 में आयोजित सीड टू सेल्फ इन लॉचिंग इन्वेस्टमेंट अपार्चुनिटी इन एमपी एग्री फूड एण्ड डेयरी सेक्टर पर आयोजित सत्र को संबोधित कर रहे थे। चौहान ने कहा कि केन्द्रीय कृषि मंत्रालय फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिये बीज और पौध की नवीन किस्म विकसित करवा रहा है। देश के कृषि उत्पादन को विदेशों में बेहतर मांग मिल सके, इसके लिये भारत सरकार द्वारा चावल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी शून्य कर दी है। साथ ही ऑइल पर इम्पोर्ट ड्यूटी बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर दी है। इसका लाभ देश की फूड प्रोसेसिंग इकाइयों को मिलेगा। उन्होंने सभी निवेशकों को मध्य प्रदेश में निवेश के लिये भरपूर सहयोग का आश्वासन भी दिया। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने इनवेस्ट मध्य प्रदेश ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट-2025 में आये सभी निवेशकों ओर विषय-विशेषज्ञों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, अपनी समृद्ध कृषि, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षमताओं के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। प्रदेश के उद्यानिकी उत्पादों ने देश में अलग पहचान बनायी है। प्रदेश के 27 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी फसलों का उत्पादन किया जा रहा है। इसे आगामी 5 वर्षों में बढ़ाकर 32 लाख हेक्टेयर तथा उत्पादन 400 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 500 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है। देश के कुल जैविक उत्पादन में मध्य प्रदेश की भागीदारी 40 प्रतिशत है। प्रदेश का रियावन लहसुन और सुंदरजा आम विश्व बाजार में अपनी अलग पहचान रखता है। हमारी सरकार ने कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में विशेष निवेश योजनाओं को लागू करते हुए एक जिला-एक उत्पाद पहल के तहत 52 जिलों की विशिष्ट फसलें चिन्हित की हैं। राज्य सरकार द्वारा बनायी गयी नवीन निवेश नीतियों को निवेशकों के अनुकूल बनाया गया है। साथ ही इन नीतियों के निर्धारण के लिये निवेशकों के सुझाव भी राज्य सरकार द्वारा आमंत्रित किये गये हैं। निवेश प्रोत्साहन के लिये सिंगल विण्डो प्रणाली रखी गयी है, जिसमें भूमि का आवंटन एवं सभी प्रकार की अनुमतियां कम से कम समय में मिल सकेंगी। किसानों की आय, रोजगार, निवेश तथा निर्यात में वृद्धि राज्य सरकार का संकल्प है।

कृषि उत्पादन आयुक्त मोहम्मद सुलेमान ने कहा कि फसल को खेत से बाजार तक पहुंचाने और उसे वाजिब दाम उपलब्ध कराने पर विस्तृत चर्चा करने की आवश्यकता है। उन्होंने मध्य प्रदेश में कृषि, पशुपालन एवं उद्यानिकी के महत्व और उनके निर्यात संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में राज्य के कृषि, खाद्य प्रसंस्करण एवं डेयरी क्षेत्रों में निवेश के नए अवसरों पर व्यापक चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में विभिन्न विशेषज्ञों ने किसानों, उद्यमियों और निवेशकों के लिए नवाचार, तकनीकी प्रगति एवं सरकारी नीतियों के महत्व पर रोशनी डाली। प्रमुख सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण अनुपम राजन ने कहा कि प्रदेश में निवेश का बेहतर माहौल तैयार किया जा रहा है। राज्य की सशक्त अधोसंरचना के अंतर्गत 8 फूड पार्क, 2 मेगा फूड पार्क, 5 कृषि प्र-संस्करण क्लस्टर एवं एक लॉजिस्टिक पार्क निवेशकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान कर रहे हैं। इसके साथ ही, सिंगल विंडो प्रणाली के माध्यम से भूमि आवंटन एवं सभी प्रकार की अनुमतियाँ शीघ्र उपलब्ध कराई जा रही हैं। मिनी योजनाओं से लेकर उन्नत फ्रोजन लॉजिस्टिक अधोसंरचना तक के अनेक कदम उठाये जा रहे हैं, जिससे किसानों की आय, रोजगार एवं निर्यात में वृद्धि सुनिश्चित होगी। उद्यानिकी के समग्र विकास एवं वैश्विक स्तर पर वृद्धि करने के लिये भारत सरकार के सहयोग से विशेष फसल आधारित क्लस्टर का चयन किया गया है।

तेईस लाख के इनामी चार नक्सली सहित नौ ने किया सरेंडर

बीजापुर, (हि.स.)। जिले में 23 लाख रुपये के इनामी चार नक्सली सहित नौ नक्सलियों ने मंगलवार को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बीजापुर के पुलिस उप महानिरीक्षक देवेन्द्र सिंह नेगी और पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव के समक्ष सरेंडर कर दिया।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों में पीएलजीए बटालियन क्षेत्र में सक्रिय आठ लाख रुपये के इनामी पार्टी सदस्य, एओबी डिवीजन में सक्रिय पांच लाख के इनामी एसीएम, जगरगुण्डा एरिया कमेटी एवं दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के पांच लाख रुपये के इनामी दो एसीएम कैडर के नक्सली शामिल हैं। सरेंडर करने वाले नक्सलियों को प्रोत्साहन स्वरूप 25-25 हजार रुपये नगद राशि प्रदान की गई।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आत्मसमर्पित नक्सलियों में वर्ष 2015 से सक्रिय लक्ष्मी माड़वी ऊर्फ खुटो (18), निवासी तिम्मापुर कर्कनपारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, ,वर्ष 2013 से सक्रिय पुल्ली ईरपा ऊर्फ तारा (20), निवासी बेलमनेण्ड्रा पुजारीपारा थाना बासागुड़ा जिला बीजापुर, जिस पर पांच लाख रुपये का इनाम शामिल है। इन्हीं के साथ वर्ष 2011 से सक्रिय भीमे मड़कम (24 वर्ष), निवासी मण्डीमरका वेंगुरपारा थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, इनाम 5 लाख, वर्ष 2008 से सक्रिय रमेश कारम (24) निवासी एड़समेटा कारममीडीपारा थाना गंगालूर जिला बीजापुर, इनाम 5 लाख ने भी सरेंडर किया है।

इसके अलावा सरेंडर करने वालों में सिंगा माड़वी (19) निवासी पेददा धमावरम पटेलपारा थाना पामेड़ , रामलू भण्डारी ऊर्फ रामू (27) निवासी मारूड़बाका भटटीपार, देवा मड़कम ऊर्फ मधु (32) निवासी पेद्दाधरमावरम पटेलपारा थाना पामेड़, रामा पूनेम ऊर्फ टक्का (30) निवासी चिन्नागेलुर नदीपारा थाना तर्रेम, हुंगा माड़वी ऊर्फ कटटी (19) निवासी धरमावरम पटेलपारा थाना पामेड़, जिला बीजापुर शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 में माओवादी कैडर के छोटे-बड़े 189 नक्सलियों ने सरेंडर किया था, जबकि 58 नक्सलियों के मारे जाने के 503 नक्सलियों के गिरफ्तार होने से नक्सली संगठन कमजोर होते जा रहे हैं। वहीं वर्ष 2025 में अब तक 40 नक्सलियों ने सरेंडर किया है, जबकि 101 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। 56 नक्सली अलग-अलग मुठभेड़ में मारे गए हैं।

पाकिस्तान से आए 58 हिंदू श्रद्धालु पहुंचे हरिद्वार, महाशिवरात्रि जगराता कार्यक्रम में लेंगे भाग।

पंजाब विधानसभा में राष्ट्रीय कृषि विपणन नीति का मसौदा रद्द करने का प्रस्ताव पारित

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रीय कृषि मंडीकरण नीति के मसौदे को किसान विरोधी बताते हुए रद्द कर दिया गया है। इस मुद्दे पर बहस के दौरान मुख्यमंत्री ने इस मसौदे को पूरी तरह से राज्य के हितों के खिलाफ बताया। कांग्रेस ने भाजपा पर पंजाब विरोधी का आरोप लगाया।

मंगलवार को राज्य के कृषि और किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने विधानसभा में राष्ट्रीय कृषि मंडीकरण नीति मसौदे को रद्द करने के प्रस्ताव को पेश किया। बाद में सदन में बहस का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही इस मसौदे का केंद्र सरकार को लिखित जवाब भेजकर कड़ा विरोध कर चुकी है। उन्होंने कहा कि इस मसौदे को राज्य सरकार पूरी तरह से रद्द कर दिया है क्योंकि यह पूरी तरह से राज्य के हितों के खिलाफ है।

मुख्यमंत्री सिंह मान ने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री अपनी सरकार की ओर से किसानों के लिए की गई पहलों के बारे में बहुत दम भरते हैं, लेकिन दिल से वह और उनकी सरकार किसानों, खासकर पंजाब के किसानों के साथ दुश्मनी भरा व्यवहार अपनाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी सोच के कारण प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा नहीं की गई, जबकि उन्होंने किसानों के साथ इसका वादा किया था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है क्योंकि पंजाब के किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ बड़े आंदोलन का नेतृत्व किया था, जिसके बाद मजबूर होकर केंद्र सरकार को झुकना पड़ा था।

सदन में मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के अनुसार कृषि विपणन राज्य का विषय है। उस समय के संविधान निमार्ताओं ने यह महसूस किया था कि कृषि गतिविधियां विभिन्न क्षेत्रों की भौगोलिक स्थितियों पर निर्भर करती हैं और हर राज्य की स्थिति अलग होती है क्योंकि राज्य अपने फसली चक्र, विपणन ढांचे की स्थिति और स्थानीय जरूरतों को समझने की बेहतर स्थिति में होते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि कृषि संबंधी नीतियां राज्य की आवश्यकताओं, परिस्थितियों और चुनौतियों के आधार पर बनाई जा सकें। इस नीति के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा राज्यों के अधिकारों पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय कृषि मंडीकरण नीति किसानों के लंबे विरोध के बाद भारत सरकार द्वारा 2021 में रद्द किए गए तीन कृषि कानूनों के विवादास्पद प्रावधानों को पुनः लाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि कृषि मंडीकरण भारतीय संविधान के अनुसार राज्य का विषय है, इसलिए भारत सरकार को ऐसी कोई नीति लाने के बजाय इस विषय पर आवश्यकता अनुसार उचित नीतियां बनाने के लिए यह मामला राज्य की समझ पर छोड़ देना चाहिए।

इससे पहले बहस के दौरान विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि जब कृषि कानून आए थे, तब उन्होंने पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चेतावनी दी थी कि ये कानून किसानों के हित में नहीं हैं और उनके लिए मौत का वारंट साबित होंगे।

Page-04_Layout 1 2/25/2025 8:35 PM Page 1

सम्पादकीय

खेती पर दिखने लगा है तापमान बढ़ोतरी का असर

जलवायु परिवर्तन का असर खेती किसानी पर साफ दिखाई देने लगा है। कहा जा रहा था कि 2024 की फरवरी सर्वाधिक गर्मी वाला माह रहा है पर 2025 में जनवरी में जिस तरह तापमान में बढ़ोतरी देखी गई है और फरवरी में ही देश के अधिकांश हिस्सों खासकर उत्तरी भारत में तापमान में लगातार तेजी देखी जा रही है वह चिंतनीय है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान सहित अनेक प्रदेशों में फरवरी में अधिकतम तापमान का आंकड़ा 30 डिग्री को छूने की तरफ अग्रसर है। देश के कई हिस्सों में दिन का तापमान 29 डिग्री को पार कर रहा है। यह कोई हमारे देश के ही हालात नहीं हैं अपितु दुनिया के अधिकांश देशों में जलवायु परिवर्तन का असर साफ-साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ता तापमान बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। बढ़ते तापमान के कारण परिस्थिति तंत्र प्रभावित हो रहा है। बीमारियां तो फैल ही रही हैं, संपूर्ण तंत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। चिंता की बात यह है कि एक ओर हम निरंतर घटते भूजल स्तर से प्रभावित हो रहे हैं तो ग्लेसियरों के तेजी से पिघलने का असर दिखाई दे रहा है। असमय अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तूफान, जंगलों में आग आदि के रूप में इसका सीधा असर दिखाई दे रहा है।

जहां तक खेती-किसानी का प्रश्न है मौसम के अप्रत्याशित बदलाव से फसल चक्र पर नकारात्मक असर दिखने लगा है। फसल वपन का एक सिस्टम होता है। बुवाई से लेकर फसल के पक कर तैयार होने का चक्र होता है। दरअसल हो यह रहा है कि जिस समय फसल में फल-फूल आने का समय होता है उस समय तापमान बढ़ने से फल-फूल का विकास रुक जाता है और फसल पकने लगती है, इससे फसल में खराबी और उत्पादन में कमी स्वाभाविक है। दिसंबर, जनवरी की सर्दी और फरवरी में औसत तापमान से फसलों का सही ढंग से विकास संभव हो पाता है। एक अन्य चिंतनीय कारण यह भी बनता जा रहा है कि मावठ के समय मावठ नहीं होती, सर्दियों की बरसात के समय बरसात नहीं होती और जिस समय तापमान में बढ़ोतरी होनी चाहिए उस समय आंधी, तूफान और बरसात आकर फसल को चौपट करने में कोई कमी नहीं छोड़ती। इसका सीधा असर खाद्यान्न संकट के रुप में देखा जा सकता है। प्रायः देखा जाने लगा है कि जब फसल की कटाई का समय होता है उस समय आंधी-तूफान या ओला-बरसात होकर फसल को चौपट करने में कमी नहीं छोड़ती। इसी तरह से जनवरी-फरवरी में जब तापमान में गिरावट की आवश्यकता होती है उस समय तापमान में बढ़ोतरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जलवायु परिवर्तन के हालात यही रहे तो कुछ खाद्य वस्तुओं के भावों में कई गुणा तक बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। आलू, टमाटर, दालों, तिलहनों और अनाज के भावों में बढ़ोतरी साफ तौर से देखी जा सकती है।

कृषि और आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञों को मानना है कि तापमान की असामयिक उतार-चढ़ाव के चलते कृषि पैदावार पर सीधा नकारात्मक असर पड़ रहा है। कृषि उत्पादन प्रभावित हो रहा है। कृषि उत्पादों की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। इससे साफ हो जाता है कि खाद्य वस्तुओं के भाव बढ़ेंगे ही और उसका सीधा असर हमें महंगाई के रूप में देखने को मिलेगा। मजे की बात यह है कि जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया के देशों में तेजी से बंजर होती भूमि को लेकर चिंता तो जताई जा रही है पर अभी तक इन हालातों से निपटने का ठोस आधार तैयार नहीं किया जा सका है। आज दुनिया के देश आसन्न खाद्यान्न संकट को लेकर चिंतित है। इसके लिए बड़े सम्मेलनों में चिंतन मनन हो रहा है। विश्व खाद्य संगठन सहित दुनिया की संस्थाएं इससे आसन्न संकट को लेकर तो परेशान है ही उनकी चिंता का कारण यह भी होता जा रहा है कि पौष्टिक भोजन नहीं मिलने से करोड़ों लोग कुपोषण के शिकार हैं। खाद्यान्नों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। दुनिया के देश खेती किसानी के महत्व को कोरोना काल में अच्छी तरह से समझ चुके हैं। कोरोना में मानवता को संबल देने में खेती किसानी ने प्रमुख भूमिका निभाई और सबकुछ बंद होने पर खेती किसानी ही लोगों का पेट भरने में सहायक रही।

जलवायु परिवर्तन का असर जब साफ साफ सामने आने लगा है तो उस हालात में मौसम विज्ञानियों और कृषि विज्ञानियों के सामने बड़ी चुनौती आ गई है। एक और जलवायु परिवर्तन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले कारकों का कोई ना कोई विकल्प खोजना ही होगा। होता यह है कि हम जिसे आज बेहतर विकल्प बताते हैं कुछ समय बाद ही उसमें भी खामियां नजर आने लगती है। जलवायु को नियंत्रित करने वाले जंगलों का स्थान कंक्रीट के जंगल लेते जा रहे हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों व नई-नई खोजों ने हमारा जीवन आसान बनाया है पर उसके साइड इफेक्ट तेजी से असर दिखाने लगे हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने भूमि की उर्वरा शक्ति को प्रभावित किया है। अत्यधिक जल दोहन से भूजल का स्तर साल दर साल नीचे जाता जा रहा है। भूक्षरण होने लगा है। भूमि तेजी से बंजर होती जा रही है।

खैर हालात हमारे सामने हैं। ऐसे कृषि विज्ञानियों को ऐसी किस्में विकसित करनी होगी जो बदलते मौसम के अनुकूल हो। शुष्क भूमि में खेती की किस्में खोजनी होगी। इसी तरह से कम जल में विकसित होने वाली फसलों की किस्मों पर ध्यान देना होगा। कंजरवेशन खेती को बढ़ावा देना होगा। परंपरागत खेती को चरणबद्ध तरीके से अपनाना होगा। प्रयास यह करना होगा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसक चक्र के बदलाव के अनुकूल फसलों की किस्में तैयार हो। क्योंकि प्रकृति से छेड़छाड़ करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी और उसका खामियाजा हमें आज भुगतना पड़ रहा है। तेज सर्दी के समय गर्मी से दो-चार होना पड़ रहा है। इस सबके साथ धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने के उपायों पर ध्यान देना होगा। हालात गंभीर चिंतनीय होते जा रहे हैं और यही हालात रहे तो विशेषज्ञ कहने लगे हैं कि कृषि उत्पादन में कमी का असर सारी दुनिया को भुगतना होगा। हालात और भी गंभीर हो उससे पहले ठोस प्रयास करने होंगे। बदलते हालात में खेती किसानी के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे नहीं तो महंगाई तो है ही, दुनिया के कई देशों में भुखमरी के गंभीर हालात होने से कोई नहीं रोक सकेगा।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
E-mail : newdibyabharat@gmail.com

महज किसान नेता नहीं थे सहजानंद

जयन्ती पर विशेष

देश भर में बहुत से किसान नेता पैदा हुए लेकिन जब भी किसान आंदोलन की बात होती है तो उन्हें याद किया जाता है लेकिन वे किसान नेता ही सिर्फ नहीं से गीता ह्रदय के रचनाकार थे,उन्हें शंकराचार्य बनाने का भी प्रयास किया गया था लेकिन वे उसके लिए तैयार न हुए,आज उनकी जयंती है। सहजानन्द सरस्वती का जन्म उत्तरप्रदेश के गाजीपुर जिले के देवा गांव में महाशिवरात्रि के दिन हुआ था। चूंकि बचपन में ही उनकी माताजी का स्वर्गवास हो गया था, इसलिए पढ़ाई के दौरान ही उनका मन आध्यात्म में रमने लगा। फिर वह क्षण भी आया जब गुरु दीक्षा को लेकर उनके बाल सुलभ मन में धर्म की कतिपय विकृति के खिलाफ आंतरिक विद्रोह पनपा।

दरअसल, सनातन धर्म के अंधानुकरण के खिलाफ उनके मन में जो भावना पली बढ़ी थी, उसने सनातनी मूल्यों के प्रति उनकी आस्था को और गहरा किया। यूं तो वैराग्य भावना को देखकर बाल्यावस्था में ही उनकी शादी कर दी गई। लेकिन, संयोग ऐसा रहा कि सदगृहस्थ जीवन शुरू होने के पहले ही इनकी पत्नी का स्वर्गवास हो गया। इसके बाद उन्होंने विधिवत संन्यास ग्रहण की और दशनामी दीक्षा लेकर स्वामी सहजानंद सरस्वती हो गए।

कालांतर में किसानों की दुर्दशा देखकर स्वामीजी ने बिहार में एक असरदार किसान आंदोलन शुरू किया। तत्कालीन प्रसंगों से सम्बन्धित इतिहास गवाह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में जब असहयोग आंदोलन शुरू हुआ तो बिहार में भी उसने गति पकड़ी। क्योंकि बिहार में स्वामी सहजानंद सरस्वती ही उसके केन्द्र में थे। कहा जाता है कि संत होते हुए भी उन्होंने जगह-जगह घूमकर अंग्रेजी राज के खिलाफ लोगों को खड़ा किया। दरअसल, यह वह समय था जब स्वामी जी भारत वर्ष को समझ रहे थे और किसान हित में अपनी भूमिका तय कर रहे थे।

इसी क्रम में उन्हें एक अजूबा अनुभव हुआ। वह यह कि किसानों की हालत तो गुलामों से भी बदतर है। इसलिए युवा संन्यासी का मन एक बार फिर नये संघर्ष की ओर ऐसा उन्मुख हुआ कि वे किसानों को लामबंद करने की अपनी मुहिम में जुट गए और मरते दम तक इसे एक प्रतिष्ठित स्थान दिलवाया। यदि भारतीय राजनीति क्षुद्र स्वभाव की नहीं होती तो जब जब किसान हित की बात सोची जाती, तब तब उन योजनाओं को स्वामी सहजानन्द सरस्वती के नाम पर ही शुरू किया जाता। क्योंकि भारत के इतिहास में सर्वप्रथम संगठित किसान आंदोलन खड़ा करने और उसका सफल नेतृत्व करने का एक मात्र श्रेय यदि किसी को जाता है तो वह स्वामी सहजानंद सरस्वती जी को ही जाता है।

यह कौन नहीं जानता कि आजादी के लिए संघर्षरत कांग्रेस में रहते हुए भी स्वामी जी ने किसानों को जमींदारों के शोषण, दमन, उत्पीड़न और आतंक से मुक्त कराने का अपना अभियान जारी रखा। यही वजह है कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता और सामाजिक सक्रियता से घबरा कर अंग्रेजों ने उन्हें कारागार में डाल दिया। लेकिन इससे स्वामी जी को और मजबूती मिली। खास बात यह रही कि जेल यात्रा के दौरान गांधी जी के कांग्रेसी अनुयायियों की सुविधाभोगी प्रकृति और उपभोगी प्रवृति को देखकर स्वामी जी दिल से हैरान रह गए थे। यही वजह है कि स्वभाव से विद्रोही चेतना के प्रतीक रहे स्वामी जी का कांग्रेस से मोहभंग होना शुरू हो गया।

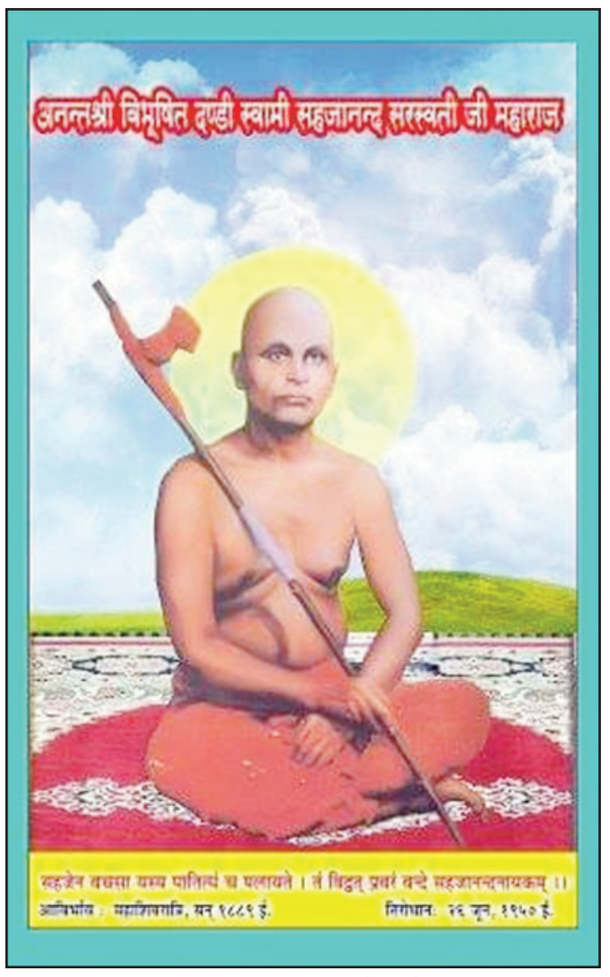

इतिहास साक्षी है कि सन 1934 में जब बिहार प्रलयंकारी भूकंप से तबाह हुआ, तब स्वामी जी ने बढ़-चढ़कर राहत और पुनर्वास के काम में भाग लिया। इससे उनकी प्रसिद्धि खूब बढ़ी। इससे उत्साहित होकर स्वामी सहजानंद सरस्वती ने किसानों को हक दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष को ही अपने जीवन का दीर्घकालिक लक्ष्य घोषित कर दिया। तब उन्होंने एक यादगार नारा दिया- कैसे लोगे मालगुजारी, लठ हमारा जिन्दाबाद। कहते हैं कि बाद में उनका यही नारा देशव्यापी किसान आंदोलन का सबसे प्रिय नारा बन गया।

अमूमन वे कहते थे कि अधिकार हम लड़ कर लेंगे और जमींदारी का खात्मा करके रहेंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि स्वामी जी का ओजस्वी भाषण किसानों के दिलोदिमाग पर गहरा असर डालता था। यही वजह है कि काफी कम समय में ही किसान आंदोलन पहले पूरे बिहार में और फिर पूरे देश में फैल गया। बताया जाता है कि तब बड़ी संख्या में किसान लोग स्वामीजी को सुनने आते थे।

देखा जाए तो अपने सक्रिय सामाजिक और संतत्व जीवन के अंतिम दिनों में उन्होंने कांग्रेस के समाजवादी नेताओं से हाथ मिला लिया। उसके बाद अप्रैल, 1936 में कांग्रेस के लखनऊ सम्मेलन में अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना हुई, जिसमें स्वामी जी को उसका पहला अध्यक्ष चुना गया। उस दौर में एम जी रंगा, ई एम एस नंबुदरीपाद, पंड़ित कायानंद शर्मा, पंडित यमुना कार्यजी, आचार्य नरेन्द्र देव, राहुल सांकृत्यायन, राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, पंडित यदुनंदन शर्मा, पी. सुन्दरैया और बंकिम मुखर्जी जैसे कई नामी गिरामी चेहरे किसान सभा से जुड़े थे जिनका सफल नेतृत्व और मार्गदर्शन उन्होंने किया।

यह स्वामी जी की जनप्रियता का ही तकाजा था कि उनके नेतृत्व में किसान रैलियों में जुटने वाली भीड़ कांग्रेस की सभाओं में शिरकत करने वाली भीड़ से कई गुना ज्यादा होती थी। उनके संगठन की लोकप्रियता का अंदाजा सिर्फ इसी बात से लगाया जा सकता है कि 1935 में इसके सदस्यों की संख्या अस्सी हजार थी जो 1938 में बढ़कर 2 लाख 50 हजार हो गयी। इसलिए किसान आंदोलन के सफल संचालन के लिए उन्होंने पटना के समीप बिहटा में अपना आश्रम स्थापित किया। वह सीताराम आश्रम आज भी है।

आपको पता होना चाहिए कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस से भी स्वामी जी की गहरी नजदीकियां थीं। लिहाजा किसान हितों के लिए आजीवन संघर्षरत रहे स्वामी सहजानंद सरस्वती ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के साथ कई रैलियां की। विशेष बात यह कि जब आजादी की लड़ाई के दौरान स्वामी जी की गिरफ्तारी हुई तो नेताजी ने 28 अप्रैल को ऑल इंडिया स्वामी सहजानंद डे घोषित कर दिया। उनके अलावा, बिहार के प्रमुख क्रांतिकारी लोक कवि बाबा नागार्जुन भी स्वामी जी के व्यक्तित्व से अति प्रभावित हुए थे। उन्होंने वैचारिक झंझावातों के दौरान बिहटा आश्रम में जाकर स्वामी जी से मार्गदर्शन प्राप्त किया था।

आमतौर पर स्वामी सहजानंद सरस्वती संघर्ष के साथ ही सृजन के भी प्रतीक पुरूष हैं। तभी तो अपनी अति व्यस्त दिनचर्या के बावजूद उन्होंने दो दर्जन से ज्यादा अविस्मरणीय पुस्तकों की रचना की। एक तरफ सामाजिक व्यवस्था पर उन्होंने भूमिहार ब्राह्मण परिचय, झूठा भय मिथ्या अभिमान, ब्राह्मण कौन, ब्राह्मण समाज की स्थिति जैसी कालजयी पुस्तकें हिन्दी में लिखी, तो दूसरी ओर ब्रह्मर्षि वंश विस्तर और कर्मकलाप नामक दो ग्रंथों का प्रणयन संस्कृत और हिन्दी में किया। उनकी आत्मकथा 'मेरा जीवन संघर्ष' के नाम से प्रकाशित है।

आजादी की लड़ाई और किसान आंदोलन के संघर्षों की दास्तान, उनकी 'किसान सभा के संस्मरण, महारुद्र का महातांडव, जंग और राष्ट्रीय आजादी, अब क्या हो, गया जिले में सवा मास' आदि पुस्तकों में दर्ज हैं। उन्होंने गीता ह्रदय नामक भाष्य भी लिखा। किसानों को शोषण मुक्त करने और जमींदारी प्रथा के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए स्वामी जी 26 जून, 1950 को महाप्रयाण कर गए। इससे किसानों का इकलौता रहनुमा भी चला गया और किसान अनाथ हो गए। आज तक उन्हें अपने नाथ का बेसब्री से इंतजार है।

यह ठीक है कि उनके जीते जी जमींदारी प्रथा का अंत नहीं हो सका। लेकिन यह उनके द्वारा ही प्रज्ज्वलित की गई ज्योति की लौ ही है जो आज भी बुझी नहीं है, और चौराहे पर खड़े किसान आंदोलन को मूक अभिप्रेरित कर रही है। यूं तो आजादी मिलने के साथ हीं जमींदारी प्रथा को कानून बनाकर खत्म कर दिया गया। लेकिन आज यदि स्वामीजी होते तो फिर लट्ठ उठाकर देसी हुक्मरानों के खिलाफ भी संघर्ष का ऐलान कर देते। दुर्भाग्यवश, किसान सभा भी है और उनके नाम पर अनेक संघ और संगठन भी सक्रिय हैं, लेकिन स्वामीजी जैसा निर्भीक नेता दूर-दूर तक नहीं दिखता। किसी सियासी मृगमरीचिका में भी नहीं।

यह कड़वा सच है कि उनके निधन के साथ ही भारतीय किसान आंदोलन का सूर्य अस्त हो गया। सुप्रसिद्ध लेखक और राष्ट्रकवि दिनकर के शब्दों में कहें तो पददलितों का संन्यासी चला गया और किसानों को अब भी उनके, या उन जैसे किसी किसान रहनुमा के लौटने की आस है, क्योंकि इतिहास खुद को दुहराता है! नाउम्मीदी हम हिंदुस्तानियों में होती भी कहाँ है? इसलिए इंतजार की घड़ियां गिन-गिन कर लोग अपना काम चला रहे हैं और उनकी या उन जैसों की बाट जोह रहे हैं।

–गोपाल जी राय

आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण त्योहार है महाशिवरात्रि

हिंदू धर्म में सबसे बड़ा पर्व महाशिवरात्रि है। इस दिन सभी शिव मंदिरों में भीड़-भाड़ का माहौल रहता है। महाशिवरात्रि के दिन सभी भक्त महादेव की कृपा पाने के लिए विधिवत पूजा-पाठ करते हैं। पंचांग के अनुसार शिवरात्रि फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है।

महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। महाशिवरात्रि भगवान शिव का त्योहार है। भारत के सभी प्रदेशों में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते हैं। हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि में भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है।

योगिक परम्परा में इस दिन और रात को इतना महत्व इसलिए दिया जाता है क्योंकि यह आध्यात्मिक साधक के लिए जबर्दस्त संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं। आधुनिक विज्ञान कई चरणों से गुजरने के बाद आज उस बिंदु पर पहुंच गया है। जहां वह प्रमाणित करता है कि हर वह चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं, पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं। जिसे आप ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। वह सिर्फ एक ही ऊर्जा है, जो लाखों रूपों में खुद को अभिव्यक्त करती है। माना जाता है कि इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते हैं। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है। राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्वारा गाजर, बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हें आक, धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद चढ़ाया जाता है।

पुराणों में कहा गया है कि एक समय शिव-पार्वती जी के साथ कैलाश पर्वत पर बैठे थे। उसी समय पार्वती जी ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देश में एक व्यक्ति रहता था, जो जीवों को बेचकर अपना भरण - पोषण करता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था। समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया।

संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी चतुर्दशी थी। वहां रातभर कथा-पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना। अगले दिन शीघ्र कर्ज चुकाने की शर्त पर उसे छोड़ा गया। उसने सोचा रात को नदी के किनारे बैठना चाहिये। वहां जरूर कोई न कोई जानवर पानी पीने आयेगा। अतः उसने पास के बील वृक्ष पर बैठने का स्थान बना लिया। उस बील के नीचे एक शिवलिंग था। जब वह पेड़ पर अपने छिपने का स्थान बना रहा था उस समय बील के पत्तों को तोड़कर फेंकता जाता था जो शिवलिंग पर ही गिरते थे। वह दो दिन का भूखा था। इस तरह से वह अनजाने में ही शिवरात्रि का व्रत कर ही चुका था। साथ ही शिवलिंग पर बेल-पत्र भी अपने आप चढ़ते गये। एक पहर रात्रि बीतने पर एक गर्भवती हिरणी पानी पीने आई। उस व्याध ने तीर को धनुष पर चढ़ाया किन्तु हिरणी की कातर वाणी सुनकर उसे इस शर्त पर जाने दिया कि सुबह होने पर वह स्वयं आयेगी।

दूसरे पहर में दूसरी हिरणी आई। उसे भी छोड़ दिया। तीसरे पहर भी एक हिरणी आई उसे भी उसने छोड़ दिया और सभी ने यही कहा कि सुबह होने पर मैं आपके पास आऊंगी। चौथे पहर एक हिरण आया। उसने अपनी सारी कथा कह सुनाई कि वे तीनों हिरणियां मेरी स्त्री थी। वे सभी मुझसे मिलने को छटपटा रही थी। इस पर उसको भी छोड़ दिया तथा कुछ और भी बेल-पत्र नीचे गिराये। इससे उसका हृदय बिल्कुल पवित्र, निर्मल तथा कोमल हो गया।

प्रातः होने पर वह बेल-पत्र से नीचे उतरा। नीचे उतरने से और भी बेल पत्र शिवलिंग पर चढ़ गये। अतः शिवजी ने प्रसन्न होकर उसके हृदय को इतना कोमल बना दिया कि अपने पुराने पापों को याद करके वह पछताने लगा और जानवरों का वध करने से उसे घृणा हो गई। सुबह वे सभी हिरणियां और हिरण आये। उनके सत्य वचन पालन करने को देखकर उसका हृदय दुग्ध सा धवल हो गया और वह फूट-फूट कर रोने लगा।

शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए। उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे। तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रख लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है।

योगियों और संन्यासियों के लिए यह वह दिन है जब शिव कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। योगिक परम्परा में शिव को ईश्वर के रूप में नहीं पूजा जाता है। बल्कि उन्हें प्रथम गुरु, आदि गुरु माना जाता है। जो योग विज्ञान के जन्मदाता थे। कई सदियों तक ध्यान करने के बाद शिव एक दिन वह पूरी तरह स्थिर हो गए। उनके भीतर की सारी हलचल रुक गई और वह पूरी तरह स्थिर हो गए। वह दिन महाशिवरात्रि था। इसलिए संन्यासी महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात के रूप में देखते हैं।

महाशिवरात्रि का पर्व हमारे जीवन में ईश्वरीय शक्ति के महत्व को दिखलाता है। हमें भगवान शिव के द्वारा मानव जाति तथा सृष्टि के कल्याण के लिए विषपान जैसे असीम त्याग को प्रदर्शित करता है। यह दिन हमें इस बात की याद दिलाता है कि यदि हम अच्छे कर्म करेंगे और ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो ईश्वर भी हमारी रक्षा अवश्य करेंगे। लोगों का मानना है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव हमारे निकट होते हैं और इस दिन पूजा अर्चना तथा रात्रि जागरण करने वालों को उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। कई लोग इस दिन दान धर्म करते है तथा गरीबों को खाना खिलाकर भगवान शिवजी से अपनी सुखी जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं।

महाशिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है। इस रात धरती के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में ऊर्जा कुदरती रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति इंसान को अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। गृहस्थ जीवन में रहने वाले लोग महाशिवरात्रि को शिव की विवाह वर्षगांठ के रूप में मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाएं रखने वाले लोग इस दिन को शिव की दुश्मनों पर विजय के रूप में देखते हैं।

–रमेश सर्राफ धमोरा
(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

आज का राशिफल

मेष राशि–व्यवसाय मंद रहेगा, कुछ चिंताएं संभव होगी, मनोबल बढ़ा ही रहेगा।
वृष राशि–धन तथा व्यवसाय की चिंता बनी रहेगी तथा किसी आरोप से बचकर चले
मिथुन राशि–स्त्री से कष्ट व चिंता, व्यवसाय में आरोप तथा धन की वृद्धि अवश्य ही होगी।
कर्क राशि–अधिकारियों का समर्थन फलप्रद रहे, मान प्रतिष्ठा में वृद्धि तथा मानसिक शांति मिलेगी।
सिंह राशि–स्वभाव में क्लेश व अशांति, अधिकारियों के आरोप से बचकर अवश्य चले अन्यथा हानि होगी।
कन्या राशि–परिश्रम से कार्य सफल होंगे, आपकी कठोर मेहनत पर आपकी कार्ययोजना सफल होगी।
तुला राशि–भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति, कार्य गति उत्तम, सफलता के कार्य आप अवश्य ही जुटायेंगे।
वृश्चिक राशि–आपके रुके कार्य पूर्ण, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, वृथा क्लेश व अशांति से बचे।
धनु राशि–झूठे आस्वसनों से बचकर चलें, असमंजस की स्थिति तथा तनाव पूर्ण वातावरण से बचेंगे।
मकर राशि–दूसरों के कार्यों में वृथा समय नष्ट न करें, तनाव व शारीरिक कष्ट अवश्य ही होगा।
कुंभ राशि–योजनाओं से लाभ, बिगड़े हुए कार्य अवश्य ही बनेंगे, योजना के कार्य पूर्ण होंगे।
मीन राशि–कार्य सिद्ध सामान्य, आर्थिक योजना पूर्ण होगी, तथा मन का संतोष बना ही रहेगा।

–अम्बुजा तिवारी

Page-05_Layout 1 2/26/2025 3:06 AM Page 1

ऐरवान तीर्थ पर 2 दिवसीय किसान मेला शुरू हुआ

दिव्य भारत संवाददाता

कठुआ। ऐतिहासिक ऐरवान तीर्थ पर वार्षिक महाशिवरात्रि समारोह आज जिला प्रशासन कठुआ द्वारा आयोजित एक जीवंत किसान मेले के साथ भव्य रूप से शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में किसान, कलाकार और श्रद्धालु एक साथ आए और सांस्कृतिक और आध्यात्मिक उत्सव का जीवंत माहौल बना।

किसान मेला एक विशेष समारोह के साथ शुरू हुआ, जिसमें दो दिनों की आकर्षक गतिविधियों का मंच तैयार हुआ। मेले में ताजे फल, सब्जियां और अनाज सहित स्थानीय रूप से उगाए जाने वाले कृषि उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया, जिसने क्षेत्र की कृषि समृद्धि को उजागर किया। आसपास के गांवों के किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नवीनतम कृषि तकनीकों के बारे में जानने के लिए विशेषज्ञों से बातचीत की।

कृषक समुदाय को और अधिक लाभान्वित करने के लिए, कृषि और संबद्ध विभागों द्वारा आधुनिक कृषि तकनीकों, सरकारी योजनाओं और सर्वोत्तम कृषि प्रथाओं के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले स्टॉल लगाए गए थे। किसानों को विशेषज्ञों से बातचीत करने और फसल उत्पादन, पशुपालन और बागवानी में आधुनिक प्रथाओं की जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिला। कार्यक्रम के सांस्कृतिक आकर्षण को बढ़ाते हुए, सूचना विभाग के कलाकारों ने शिव तांडव और शिव विवाह का एक मनमोहक शो प्रस्तुत किया। लयबद्ध अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिससे महाशिवरात्रि से जुड़ी गहरी आध्यात्मिक और कलात्मक परंपराओं को बल मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन करने वाले कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने मेले के आयोजन में ईमानदारी से प्रयास करने के लिए जिला प्रशासन और ऐरवान मंदिर समिति की सराहना की। उन्होंने सामुदायिक बंधनों को मजबूत करने, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर दिया।

उपायुक्त डॉ. राकेश मिन्हास ने इस बात पर प्रकाश डाला कि किसान मेला न केवल महाशिवरात्रि के उत्सव की भावना को बढ़ाता है, बल्कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों और संबद्ध प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम करता है। उन्होंने किसानों को इस अवसर का लाभ उठाने और नई खेती के तरीकों और उनके विकास को समर्थन देने के लिए बनाई गई सरकारी योजनाओं के बारे में जानने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. मिन्हास ने यह भी घोषणा की कि महाशिवरात्रि समारोह के हिस्से के रूप में, महाशिवरात्रि के दिन शाम 6 बजे ऐरवान मंदिर में भव्य गंगा आरती का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में 1,100 दीये जलाए जाएंगे, जो एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने लोगों को इस पवित्र कार्यक्रम में भाग लेने और दिव्य वातावरण का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया। तहसीलदार नगरी आना जामवाल के नेतृत्व में ऐरवान मंदिर समिति ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए सभी उपस्थित लोगों, प्रतिभागियों और आयोजकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। समिति ने पारंपरिक सांस्कृतिक मूल्यों को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जबकि यह सुनिश्चित किया कि महाशिवरात्रि समारोह समावेशी और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होते रहें।

महाशिवरात्रि पर पुरमंडल शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद।

उपायुक्त बडगाम ने बेहिश्त-ए-जहरा पार्क के उन्नयन, जीर्णोद्धार कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

उपायुक्त बडगाम ने बेहिश्त-ए-जहरा पार्क के उन्नयन, जीर्णोद्धार कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

बडगाम। डिप्टी कमिश्नर (डीसी) बडगाम अक्षय लाबरू ने आज बेहिश्त-ए-जहरा पार्क बडगाम में किए जा रहे सौंदर्यीकरण, जीर्णोद्धार और पुनर्विकास कार्यों का जायजा लिया।

यात्रा के दौरान, डीसी ने बुनियादी ढांचे के उन्नयन की प्रगति की समीक्षा की, जिसमें पेवर ब्लॉक और इंटरलॉक टाइलों का उपयोग करके वॉकवे का पुनर्निर्माण, ग्रेनाइट से तैयार चाय और कॉफी के विश्राम ब्लॉक के साथ बैठने के प्लेटफॉर्म, पार्क के बाहर सजावटी धातु की रोशनी की स्थापना, वॉकवे के किनारों के लिए संरचनात्मक स्टील रेलिंग और पार्क के सौंदर्य और सार्वजनिक उपयोगिता को बढ़ाने के उद्देश्य से अन्य विकास कार्य शामिल हैं।

इस अवसर पर, डीसी ने आरएंडबी विभाग बडगाम को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कार्य विनिदेर्शों के अनुसार निष्पादित किया जाए, और साइट इंजीनियरों को गुणवत्तापूर्ण परिणाम लाने के लिए कार्यों की उचित निगरानी करने का निर्देश दिया।

डीसी ने पार्क में चल रहे कार्यों के बारे में प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पार्क के संवर्धन, नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण का काम अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। इस दौरे के दौरान डीसी के साथ मुख्य योजना अधिकारी बडगाम इरफान गिरी, कार्यकारी अभियंता आर एंड बी डिवीजन बडगाम, आर एंड बी विभाग और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

महाशिवरात्रि पर पुरमंडल शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद

दिव्य भारत संवाददाता

सांबा। उपायुक्त सांबा राजेश शर्मा ने आज पुरमंडल का दौरा किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा महाशिवरात्रि उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं के लिए परेशानी मुक्त अनुभव सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

यात्रा के दौरान, उपायुक्त ने यातायात प्रबंधन, पानी और बिजली आपूर्ति, स्वच्छता और चिकित्सा सहायता सहित आवश्यक सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे त्योहार के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित करें, जिसमें ऐतिहासिक मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है।

श्रद्धालुओं की निर्बाध आवाजाही के महत्व पर जोर देते हुए, डीसी शर्मा ने यातायात विभाग को वाहनों के प्रवाह को कुशलतापूर्वक नियंत्रित करने और आवश्यक पार्किंग स्थान बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने पीएचई (जल शक्ति) और विद्युत विकास विभाग (पीडीडी) को भी निर्बाध पानी और बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, खासकर उत्सव के व्यस्त समय के दौरान।

स्वास्थ्य विभाग को चिकित्सा दल तैनात करने और आने वाले श्रद्धालुओं की किसी भी स्वास्थ्य संबंधी चिंता को दूर करने के लिए आपातकालीन सहायता शिविर स्थापित करने के लिए कहा गया। इसके अतिरिक्त, नगर समिति को मंदिर परिसर में और उसके आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। डीसी ने सुरक्षा व्यवस्था के महत्व पर जोर दिया और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सतर्कता बढ़ाने, पर्याप्त कर्मियों को तैनात करने तथा किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए आवश्यक निगरानी तंत्र स्थापित करने का निर्देश दिया। स्थानीय अधिकारियों और मंदिर प्रबंधन के साथ बातचीत करते हुए, उपायुक्त ने सभी हितधारकों से भक्तों के लिए शांतिपूर्ण और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध अनुभव सुनिश्चित करने के लिए निकट समन्वय में काम करने का आग्रह किया।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की अधिसूचना के लिए मंडलायुक्त ने की प्रारंभिक बैठक

दिव्य भारत संवाददाता

श्रीनगर। झेलम नदी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को चिन्हित करने तथा नामित करने के लिए मंडलायुक्त कश्मीर विजय कुमार बिधूड़ी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की अधिसूचना के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श करने के लिए आज एक प्रारंभिक बैठक की। बैठक में पुलवामा, श्रीनगर, बडगाम, बांदीपोरा तथा गंदेरबल के उपायुक्तों के अलावा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण के मुख्य अभियंता, वन्यजीव तथा पारिस्थितिकी, पर्यावरण तथा सुदूर संवेदन विभागों के कार्यकारी अभियंता तथा अधिकारी शामिल हुए। आरंभ में, आईएंडएफसी के संबंधित अधिकारियों ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने सितंबर 2014 की बाढ़ के जलमग्न क्षेत्रों, प्रभावित क्षेत्रों जैसे भूमि उपयोग और मानवीय गतिविधियों को विनियमित करने के लिए बाढ़ क्षेत्रीकरण के अलावा होकरसर वेटलैंड, नौगाम झील, हिगाम झील, नरकरा नम्बल, अंचार झील, वुलर झील, संगम से पादशाहीबाग तक झेलम नदी के बाएं किनारे सहित बाढ़ घाटियों की समग्र स्थिति और मानचित्रण का अवलोकन किया। बैठक में बाढ़ के प्रभाव से निपटने और उसे कम करने के लिए विविध मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मानवीय गतिविधियों की अनुमति के आधार पर निषिद्ध क्षेत्र, विनियमित क्षेत्र और चेतावनी क्षेत्र में क्षेत्रों के वर्गीकरण पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए, मंडलायुक्त ने उपायुक्तों को बाढ़ घाटियों का व्यापक अध्ययन और सर्वेक्षण करने और क्षेत्रों की अधिसूचना के लिए अर्नतिम प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण, वन और राजस्व विभागों के सदस्यों की बैठकें आयोजित करने के लिए प्रभावित किया।

विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने बजट सत्र से पहले मीडिया से की बातचीत

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने आज उमर सरकार के पहले बजट सत्र के सुचारू और कुशल कवरेज की सुविधा के लिए मीडिया बिरादरी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान मीडिया पेशेवरों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई, जिसमें विधानसभा परिसर में परेशानी मुक्त प्रवेश सुनिश्चित करने और विधानसभा सचिवालय और विधायक छात्रावास, जम्मू की ओर जाने वाली सड़कों पर यातायात के सुचारू नियमन पर ध्यान केंद्रित किया गया। अध्यक्ष ने कार्यवाही को कवर करने वाले पत्रकारों को असुविधा को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने के महत्व पर जोर दिया। वरिष्ठ पत्रकारों ने पार्किंग स्थल निर्धारित करने, निर्बाध कवरेज के लिए हाई-स्पीड वाई-फाई का प्रावधान और अन्य लॉजिस्टिक सहायता के विस्तार सहित प्रमुख चिंताओं को उजागर किया। इन चिंताओं को संबोधित करते हुए, अध्यक्ष ने एसएसपी सुरक्षा, नागरिक सचिवालय को मीडिया कर्मियों के लिए उचित व्यवस्था करने, नए विधानसभा परिसर और एलए परिसर के आसपास के जनाना पार्क में पार्किंग की सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा, अध्यक्ष ने जेकेईजीए और आईटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पूरे सत्र के दौरान हाई-स्पीड वाई-फाई कनेक्टिविटी प्रदान करने का निर्देश दिया, ताकि मीडियाकर्मियों के लिए निर्बाध डिजिटल पहुंच सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सूचना विभाग को प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों के माध्यम से कार्यवाही के व्यापक कवरेज की सुविधा के लिए प्रेस और विधानसभा सचिवालय के बीच समन्वय करने का निर्देश दिया। मीडिया की पहुंच बढ़ाने के लिए, अध्यक्ष ने अधिकारियों को विधानसभा हॉल और उसके लॉन के भीतर पर्याप्त संख्या में माइक्रोफोन और पब्लिक एड्रेस सिस्टम (पीएएस) स्थापित करने का निर्देश दिया, ताकि गणमान्य व्यक्तियों, विधान सभा सदस्यों और पत्रकारों के बीच सहज बातचीत हो सके। उन्होंने सचिवालय को विधानसभा परिसर में पत्रकारों के निर्बाध प्रवेश के लिए पहले से ही प्रवेश पास तैयार करने और जारी करने का भी निर्देश दिया। जन मुद्दों को उजागर करने में मीडिया के महत्व को समझते हुए, अध्यक्ष ने बजट सत्र की संतुलित और जिम्मेदार रिपोर्टिंग के लिए मीडिया घरानों से सहयोग मांगा। उन्होंने विधायी चचाओं की पारदर्शिता और जन जागरूकता सुनिश्चित करने में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और उन्हें अपने पेशेवर कार्यों को पूरा करते समय जनहित को सर्वोपरि रखने की सलाह दी।

इसके अतिरिक्त, अध्यक्ष ने आतिथ्य और प्रोटोकॉल विभाग को विधायकों और मंत्रियों द्वारा प्रेस ब्रीफिंग के लिए एक मंच के साथ एक शमयान स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने जेकेएलए के सेंट्रल हॉल में मीडिया से बातचीत के लिए एक समर्पित स्थान का प्रावधान रखने का भी निर्देश दिया। मीडिया बिरादरी द्वारा उठाई गई चिंताओं के जवाब में, अध्यक्ष ने आश्वासन दिया कि सभी उजागर मुद्दों को प्राथमिकता पर संबोधित किया जाएगा, जिससे पत्रकारिता कर्तव्यों के लिए अनुकूल वातावरण सुनिश्चित होगा। उन्होंने प्रेस को अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को आसानी से पूरा करने में सुविधा प्रदान करने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराया। जवाब में, पत्रकारों ने अध्यक्ष के प्रति अपनी चिंताओं को उनके सामने रखने का अवसर देने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने उन्हें उच्च पेशेवर मानकों पर टिके रहने और जनता के हितों की सेवा पूरी लगन और उनके प्रति कर्तव्य की भावना के साथ करने का आश्वासन दिया।

प्रमुख सचिव कृषि उत्पादन विभाग ने जम्मू-कश्मीर में राजमार्गों के किनारे सुविधाओं की समीक्षा की

दिव्य भारत संवाददाता

जम्मू। कृषि उत्पादन विभाग के प्रमुख सचिव शैलेंद्र कुमार ने जम्मू-कश्मीर में प्रमुख राजमार्गों और सड़कों के किनारे सुविधाओं और शौचालय सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा के लिए यहां नागरिक सचिवालय में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य स्थानीय यात्रियों और केंद्र शासित प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या दोनों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करना था। बैठक में आयुक्त सचिव पर्यटन यशा मुद्गल, सचिव पीडब्ल्यूडी भूपिंदर कुमार, एनएचएआई, बीआरओ, एनएचआईडीसीएल, आरएंडबी और पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने और प्रमुख मार्गों पर आवश्यक सुविधाओं तक निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को स्थानीय और बाहरी आगंतुकों के लिए आवश्यक सुविधाएं जुटाने के लिए संबंधित उपायुक्तों के परामर्श से सड़कों के किनारे स्थानों की पहचान करने और भूमि अधिग्रहण/हस्तांतरण करने को कहा। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को दृश्यता और पहुंच बढ़ाने के लिए राजमार्गों के साथ शौचालय सुविधाओं को चिह्नित करने और दूरी को इंगित करने वाले साइनबोर्ड लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने बीकन अधिकारियों को तय समयसीमा के भीतर सड़क किनारे सुविधाओं के लिए स्थान योजना प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, साथ ही एनएचएआई को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि सभी मौजूदा सुविधाएं कार्यात्मक हो जाएं।

जिला प्रशासन बारामुल्ला ने मिशन युवा के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया।

जिला प्रशासन बारामुल्ला ने मिशन युवा के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया

दिव्य भारत संवाददाता

बारामुल्ला। जिला प्रशासन बारामुल्ला ने जिला रोजगार एवं परामर्श केंद्र बारामुल्ला के सहयोग से आज बारामुल्ला के डाकबंगला में मिशन युवा (युवा उद्यमी विकास अभियान) के तहत लघु व्यवसाय विकास इकाइयों (एसबीडीयू) और व्यवसाय सहायता डेस्क (बीएचडी) के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य उद्यमिता और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करने वाले बारामुल्ला के उपायुक्त मिंगा शेरपा ने जिले भर में संभावित उद्यमियों की पहचान करने के लिए किए गए व्यापक आधारभूत कार्यों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि एक व्यापक बेसलाइन सर्वेक्षण में 57,000 संभावित उद्यमियों को शामिल किया गया है, जिसमें डेटा एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए बारामुल्ला में एक समर्पित कार्यबल तैनात किया गया है। डीसी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, यह डेटा हमें मिशन युवा को इस तरह से लागू करने में मदद करेगा, जिससे महत्वाकांक्षी उद्यमियों को लक्षित समर्थन मिले। उन्होंने आगे घोषणा की कि मिशन युवा का चरण 2 बहुत जल्द शुरू किया जाएगा, जिसमें पहचाने गए उद्यमियों के लिए संरचित समर्थन, वित्तीय सहायता और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि उद्यमियों की सहायता करने और उनके व्यावसायिक उपक्रमों को सुविधाजनक बनाने के लिए 165 युवा दूतों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। प्रत्येक युवा दूत तीन पंचायतों में उद्यमियों की निगरानी और समर्थन के लिए जिम्मेदार होगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन, सलाह और सरकारी योजनाओं तक पहुंच मिले। अभिविन्यास कार्यक्रम में मिशन युवा का अवलोकन, बेसलाइन सर्वेक्षण से विस्तृत निष्कर्ष और प्रत्यक्ष व्यावसायिक सहायता और सलाह प्रदान करने में एसबीडीयू, बीएचडी और युवा दूतों की भूमिका और जिम्मेदारियों सहित प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया। इन इकाइयों को मजबूत करने से जमीनी स्तर पर प्रभावी पहुंच और कार्यान्वयन सुनिश्चित होगा। मिशन युवा एक विकेन्द्रीकृत सहायता प्रणाली के माध्यम से संचालित होता है, जिसमें एसबीडीयू जिला-स्तरीय ऊष्मायन और सुविधा केंद्र के रूप में कार्य करते हैं, जबकि बीएचडी उप-विभाग स्तर की सहायता डेस्क के रूप में कार्य करते हैं, जो उद्यमियों को अनुरूप मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

मिशन युवा पोर्टल/ऐप भी एक प्रमुख मंच के रूप में कार्य करता है, जो आवश्यक व्यावसायिक संसाधनों, वित्त पोषण के अवसरों और सलाह तक पहुँच प्रदान करता है। पहले चरण के सफल समापन के साथ, प्रशासन अब चरण 2 को शुरू करने के लिए तैयार है, जो पहचाने गए उद्यमियों को वित्तीय सहायता, कौशल विकास और बाजार संबंधों से लैस करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस पहल का उद्देश्य बारामुल्ला में एक मजबूत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र बनाना, युवाओं को सशक्त बनाना और स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।

Page-06_Layout 1 2/25/2025 10:26 PM Page 1

यूक्रेन पर चर्चा में मैक्रों ने ट्रंप को चेताया, रूस का ट्रैक रिकार्ड खराब

वाशिंगटन, (हि.स.)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को यहां यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने और कई अहम मसलों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के दौरान चर्चा की। दोनों ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया। संबोधन में यूक्रेन में युद्ध का मुद्दा छाया रहा। मैक्रों ने कोशिश की ट्रंप अपनी महत्वाकांक्षी युद्ध रोकने की रणनीति में वास्तविक स्थिति को समझें। उन्होंने कहा कि वह शांति के समान परिणाम चाहते हैं। रूस का ट्रैक रिकॉर्ड खराब है। इसलिए यूक्रेन में शांति स्थापित करने के प्रयास के दौरान रूस पर इस बात का दबाव डालना चाहिए कि मॉस्को इस बार अपने वादों को पूरा करे। उन्होंने व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी बातचीत को याद करते हुए कहा कि रूसी नेता से बात करने का महत्व है लेकिन केवल मजबूत स्थिति में। सीएनएन की खबर के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने दृढ़ता के साथ कहा कि वह शांति चाहते हैं, लेकिन ऐसा समझौता नहीं चाहते जो कमजोर हो। साथ ही इस शांति का मतलब यूक्रेन का आत्मसमर्पण नहीं होना चाहिए। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सुरक्षा गारंटी का कोई उल्लेख नहीं किया। उन्होंने पत्रकारों के सामने खुद को समझौते (सौदे) की तलाश में एक मास्टर वार्ताकार के रूप में चित्रित किया। उन्होंने ईस्ट रूम से कहा, उनकी राष्ट्रपति पुतिन से बात हुई है। उनकी पूरी टीम शांति के प्रयासों के लिए काम कर रही है। ट्रंप ने कहा, "मैं सौदे करता हूं। मेरा पूरा जीवन सौदेबाजी है। मैं बस इतना ही जानता हूं, सौदे हैं। और मैं जानता हूं कि कब कोई इसे बनाना चाहता है और कब नहीं।" इस दौरान ट्रंप ने आग लगने के बाद पेरिस के नोट्रे-डेम कैथेड्रल के लगभग नष्ट हो जाने के बाद उसके तेजी से पुनर्निर्माण की देखरेख के लिए मैक्रों की प्रशंसा की। दोनों नेताओं की मुलाकात से पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका के यूरोपीय सहयोगियों के समर्थन के बिना उसका प्रस्ताव पारित हो गया है। इस प्रस्ताव में अमेरिका ने रूस को युद्ध में आक्रामक नहीं कहा है। मैक्रों ने ट्रंप को भरसक यह समझाने की कोशिश की कि वह रूस और यूक्रेन युद्ध की सच्चाई को समझें। ट्रंप ने यूक्रेन में यूरोपीय शांति सेना के लिए खुलेपन की आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि वह इस सप्ताह के अंत में ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मिलेंगे। उन्होंने पुतिन के साथ इस विचार पर चर्चा की है और रूसी राष्ट्रपति भी इस विचार के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने यह भी कि वह एक समझौते को अंतिम रूप देने के लिए जल्द ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिलने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने साफ किया कि वह पुतिन को तानाशाह नहीं कहेंगे। मैक्रों ने ट्रंप को यह समझाने की कोशिश की कि पुतिन अमेरिकी राष्ट्रपति के आखिरी कार्यकाल के बाद से बदल गए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यूक्रेन हार गया तो अमेरिका अपने प्रतिद्वंद्वी अर्थात चीन के सामने कमजोर दिख सकता है। उल्लेखनीय है कि स्टार्मर की गुरुवार को ट्रंप से मुलाकात होनी है।

वाशिंगटन। यूक्रेन पर चर्चा में मैक्रों ने ट्रंप को चेताया, कहा-रूस का ट्रैक रिकार्ड खराब।

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए सेंट पीटर स्क्वायर में की गई प्रार्थना।

पोप फ्रांसिस के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए सेंट पीटर स्क्वायर में की गई प्रार्थना

वेटिकन सिटी, (हि.स.)। फेफड़े में संक्रमण की गंभीर समस्या का सामना कर रहे पोप फ्रांसिस की हालत से चिंतित हजारों लोगों ने सेंट पीटर स्क्वायर में उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना की। 88 वर्षीय पोप 11 दिन से अस्पताल में भर्ती हैं। पोप फ्रांसिस के बाद पारोलिन वेटिकन में दूसरे नंबर की हैसियत रखते हैं।

पारोलिन वेटिकन ने सर्दी और ठंड के बीच 45 मिनट तक चली प्रार्थना का नेतृत्व किया। प्रार्थना के दौरान लोगों ने पोप फ्रांसिस के जल्द ठीक होने की कामना की। वेटिकन ने कहा कि कार्डिनल ने सहयोगियों के साथ भगवान की पवित्र भावनाओं को दोहराते हुए पवित्र माला का जाप किया। वेटिकन ने सोमवार शाम जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में पोप की स्थिति को बेहतर बताया है। प्रार्थना सभा में रोमानिया के रॉबर्ट पिएत्रो ने कहा कि उन्हें (पोप फ्रांसिस) तकलीफ में देखना दुखद है।

पोप फ्रांसिस के ऑफिस की विज्ञप्ति के अनुसार, इटली के पादुआ सूबा के पादरी रेवरेंड रिकार्डो बटोचियो को इटली के विटोरियो वेनेटो का बिशप नियुक्त किया गया है। वह अब तक रोम में अल्मो कोलेजियो कैप्रानिका के रेक्टर थे।

पोप फ्रांसिस ने इटली के इसर्निया-वेनाफ्रो सूबा के बिशप कैमिलो सिबोटी को इटली के त्रिवेनेटो सूबा के बिशप के रूप में नियुक्त किया है। इसके अलावा सैन क्रिस्टोबल डे ला लागुना टेनेरिफ स्पेन के नए बिशप होंगे। बिशप जोआकिम जियोवानी मोल गुइमारेस को ब्राज़ील के सैंटोस सूबा के सह-सहायक बिशप के रूप में नियुक्त किया गया है।

पाकिस्तान में वकीलों और पत्रकारों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला

इस्लामाबाद, (हि.स.)। पाकिस्तान के वकीलों और पत्रकारों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम (पेका) में किए गए संशोधनों को तुरंत रद्द करने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) की सोमवार को बुलाई गई सलाहकार सभा में स्वतंत्र पत्रकारिता पर प्रतिबंधों को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया गया। डान समाचार पत्र की खबर के अनुसार, बैठक में सर्वसम्मत से पारित प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आधारशिला है। बैठक में मौजूद पत्रकारों और वकीलों ने पेका (संशोधन) अधिनियम, 2025 की निंदा करते हुए इसे अस्वीकार कर दिया। इसे संविधान के अनुच्छेद 19 का उल्लंघन माना। यह अनुच्छेद भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि पेका (संशोधन) अधिनियम, 2025, संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाई गई नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय संधि (आईसीसीपीआर) के अनुच्छेद 19 के तहत संरक्षित मीडिया कर्मियों के अधिकारों का उल्लंघन करता है। सरकार को याद दिलाया गया है कि इस संधि पर पाकिस्तान ने भी हस्ताक्षर किए हैं। यह संशोधन प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का भी उल्लंघन करता है। बैठक में डिजिटल क्षेत्रों में बढ़ती सेंसरशिप पर चिंता व्यक्त की गई।

एससीबीए की ओर से बैठक में इसके अध्यक्ष मियां मोहम्मद रऊफ अत्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद इशाक नोटजई, बलूचिस्तान के उपाध्यक्ष मोहम्मद औरंगजेब खान, कार्यवाहक सचिव चौधरी तनवीर अख्तर, वित्त सचिव मुनीर अहमद मलिक, आयशा मलिक, हमूद उर रहमान अवान, बलूचिस्तान बार काउंसिल के सदस्य खलील पानेजई और हाफिज अहसान खोखर ने हिस्सा लिया। मीडिया की ओर से बैठक में मुनीजा जहांगीर, अरशद अंसारी, अफजल बट, जाहिद हसन, हामिद मीर, मजहर अब्बास, आरिफा नूर और अन्य शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि सिंध हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर कर इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम (पेका) में किए गए हालिया संशोधनों को चुनौती दी गई है।

भारतीय सेना के 6 पूर्व प्रमुख काठमांडू पहुंचे

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाली सेना के निमंत्रण पर भारतीय सेना के 6 पूर्व सेना प्रमुख महाशिवरात्रि और नेपाली सेना के 262वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मंगलवार को नेपाल पहुंचे हैं।

भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल जोगिंदर जसवंत सिंह, जनरल दीपक कपूर, जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, जनरल दलवीर सिंह सुहाग, जनरल मनोज मुकुंद नरवणे और जनरल मनोज पांडे नेपाल सेना के निमंत्रण पर नेपाल आए हैं। नेपाली सेना के अनुसार काठमांडू पहुंचे भारत के पूर्व सेना के प्रमुख नेपाली सेना के मुख्यालय में होने वाले आर्मी कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लेंगे। उक्त कॉन्क्लेव में दोनों देशों के बीच संबंधों को नागरिक स्तर पर लाने के लिए क्या काम करने की जरूरत पर चर्चा होगी।

अमेरिका में नेपाल के टीपीएस धारकों की समय सीमा 24 जून तक, अवैध अप्रवासी घोषित होंगे

काठमांडू, (हि.स.)। अमेरिकी आव्रजन अदालत पहले ही 3,500 नेपालियों के निर्वासन का आदेश दे चुकी है और जिनमें से लगभग 1,500 नागरिकों को नेपाली नागरिकों को टेंपररी प्रोटेक्शन स्टेटस (टीपीएस) का दर्जा हासिल था। अब अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग ने अपने ताजा आदेश में टीपीएस को रद्द कर दिया है। अमेरिका में रह रहे नेपाल के टीपीएस धारकों की समय सीमा 24 जून को समाप्त हो रही है। इसके बाद वे सभी अवैध अप्रवासी घोषित हो जाएंगे और उन्हें हर हाल में स्वदेश लौटना होगा।

अब तक टीपीएस वाहकों को पूरे अमेरिका में काम करने की अनुमति मिल रही थी, जिसे अब रद्द करने का फैसला किया गया है। अमेरिका के टेंपररी प्रोटेक्शन स्टेटस (टीपीएस) को रद्द करने से यह सुविधा पाने वाले 17 देशों के करीब 8 लाख 50 हजार प्रवासी अवैध घोषित हो जाएंगे। ट्रम्प प्रशासन के इस फैसले से उन अप्रवासियों को या तो स्वयं घर लौटना होगा या अमेरिका उनके साथ अवैध अप्रवासियों की तरह व्यवहार करेगा और उन्हें घर वापस जाने के लिए मजबूर करेगा।

टीपीएस धारकों को हर साल अमेरिकी आव्रजन विभाग के साथ फिर से पंजीकृत करना होता था, लेकिन अब अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने टीपीएस धारकों के नए पंजीकरण या उसके दोबारा नवीकरण की प्रक्रिया भी बंद कर दी है।

इसी तरह सीरिया से 3800, कैमरून से 3200, निकारागुआ से 2900, बर्मा से 2300, यमन से 1800, सूडान, सोमालिया, साउथ सूडान, इथियोपिया आदि से आए अप्रवासियों ने भी टीपीएस सुविधा ली है। इनको अमेरिका के विभिन्न राज्यों में लाकर बसाया गया था, जिनमें सर्वाधिक फ्लोरिडा, टेक्सास, न्यूयॉर्क तथा कैलिफोर्निया में हैं। राष्ट्रीय आव्रजन फर्म के अनुसार अमेरिका में 3 लाख 50 हजार वेनेजुएला के नागरिक टीपीएस वाहक हैं। उनकी मान्यता इसी वर्ष अप्रैल तक ही है। इसी तरह होंडुरस के टीपीएस वाहकों की तीसरी सबसे बड़ी संख्या है। होंडुरास के 54 हजार लोगों ने टीपीएस लिया है, जबकि चौथा स्थान यूक्रेन का है। यूक्रेन में लगभग 50 हजार लोगों ने अब तक टीपीएस लिया है। अफगानिस्तान पांचवें स्थान पर है। यहां के करीब 8,200 लोगों को टीपीएस सुविधा मिल चुकी है, जबकि नेपाल यह सुविधा पाने में छठे स्थान पर है।

बांग्लादेश के सूचना सलाहकार नाहिद का कैबिनेट से इस्तीफा

ढाका, (हि.स.)। बांग्लादेश के सूचना सलाहकार नाहिद इस्लाम ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। जुलाई विद्रोह के प्रमुख नेता नाहिद इस्लाम ने अंतरिम सरकार से अलग होने के अपने फैसले की आज दोपहर पुष्टि की।

द डेली स्टार न्यूज पेपर के अनुसार, अवामी लीग शासन को उखाड़ फेंकने वाले जुलाई विद्रोह के प्रमुख नेता नाहिद के पास सूचना-प्रसारण, डाक, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय था। नाहिद 28 फरवरी को ढाका के माणिक मिया एवेन्यू में रैली कर अपनी राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर सकते हैं। अन्य सूचना संचार माध्यमों में कहा गया है कि नाहिद इस्लाम के नेतृत्व में युवाओं ने 2024 में सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ छात्र आंदोलन की शुरूआत की। यह आंदोलन देखते-देखते राष्ट्रीय विद्रोह में बदल गया।

नेतन्याहू के बयान से सीरिया में उबाल, दारा गवर्नरेट के कई शहरों में प्रदर्शन

दमिश्क, (हि.स.)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बयान से सीरिया के लोग गुस्से में हैं। दक्षिणी सीरिया के दारा गवर्नरेट के कई शहरों और कस्बों में सोमवार को सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए और प्रदर्शन किया। उन्होंने मांग की कि दक्षिणी सीरिया को विसैन्यीकृत क्षेत्र घोषित जाए। प्रदर्शनकारियों ने नेतन्याहू के बयानों की निंदा करते हुए उनके खिलाफ नारे भी लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि नेतन्याहू को सीरिया के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। वह देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। अरबी न्यूज वेबसाइट 963+ की खबर के अनुसार, दारा के एक शहर के शूरा काउंसिल के प्रमुख इमाद अल-बातीन ने कहा कि नेतन्याहू के बयान सीरियाई संप्रभुता के उल्लंघन का प्रतिनिधित्व करते हैं। दक्षिणी सीरिया के लोग नेतन्याहू की थोपी गई किसी भी व्यवस्था को स्वीकार नहीं करेंगे। नई सीरियाई सरकार को तत्काल दखल देना चाहिए। दारा मीडिया सिंडिकेट के प्रमुख उमर अल-मसरी ने कहा कि नेतन्याहू ऐसे बयान देकर उकसावे की राजनीति कर देश की संप्रभुता पर हमला कर रहे हैं।

दारा बार एसोसिएशन के प्रमुख सुलेमान अल-करफान ने कहा कि किसी भी बाहरी देश की संप्रभुता को स्वीकार नहीं किया जाएगा। नेतन्याहू के इस रुख के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय और सुरक्षा परिषद जिम्मेदार है। इजराइल की विस्तारवादी योजना का डटकर मुकाबला किया जाएगा। सीरिया में यह गुस्सा नेतन्याहू के दो दिन पहले जारी बयान को लेकर है। उन्होंने कहा था कि सीरिया के दक्षिणी क्षेत्र में किसी भी नई सीरियाई सेना या विद्रोही समूहों को घुसने नहीं दिया जाएगा। इजराइल की सेना अनिश्चितकाल तक दक्षिणी सीरिया के कुछ हिस्सों में मौजूद रहेगी। उन्होंने साफ किया था कि इजराइल हयात तहरीर अल-शाम जैसे विद्रोही समूहों को भी दक्षिणी सीरिया में घुसने नहीं देगा।

इस बीच तहरीर अल-शाम के नेता अल-शरा ने सीरियाई राष्ट्रीय संवाद सम्मेलन में कहा कि सीरियाई क्षेत्रों की एकता और देश को विभाजित करने वाली किसी भी योजना को वह स्वीकार नहीं करेंगे। हथियारों को राज्य तक सीमित रखना उनका कर्तव्य और दायित्व है। अल-शरा ने कहा कि नागरिकों को आज सीरिया के पुनर्निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी का सामना करना पड़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र में म्यांमार, नेपाल और भूटान ने यूक्रेन के पक्ष में डाला वोट, भारत और चीन अनुपस्थित रहे

काठमांडू, (हि.स.)। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के पड़ोसी देश म्यांमार, नेपाल और भूटान ने भी यूक्रेन के पक्ष में मतदान किया है। भारत और चीन इस मतदान के दौरान अनुपस्थित रहे। संयुक्त राष्ट्र में मतदान के दौरान कुल 93 देशों ने यूक्रेन के पक्ष में मतदान किया। अमेरिका ने यूक्रेन के विरोध में पहली बार मतदान करके रूस के साथ चल रही वार्ता को और आगे बढ़ाने के संकेत दिए हैं।

यूक्रेन पर रूसी हमले के तीसरे साल संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन के पक्ष में एक प्रस्ताव लाया गया। मंगलवार को हुए मतदान के दौरान अमेरिका ने यूक्रेन के विरोध में मतदान करके रूस और यूक्रेन को लेकर अपनी पुरानी नीति में बदलाव का स्पष्ट संदेश दे दिया है। इससे पहले अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन के पक्ष में ही मतदान किया है। माना जा रहा है कि अमेरिका की इस पहल से यूक्रेन के राष्ट्रपति जिलेंस्की पर पद छोड़ने का दबाब बढ़ेगा। संयुक्त राष्ट्र में मतदान के दौरान कुल 93 देशों ने यूक्रेन के पक्ष में मतदान किया। इसमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, इटली, जापान, कोरिया, इंग्लैंड, सिंगापुर सहित लगभग सभी यूरोपीय देश शामिल हैं। भारत के पड़ोसी देश म्यांमार, नेपाल और भूटान ने भी यूक्रेन के पक्ष में मतदान किया है।

भारत और चीन सहित 65 देश इस मतदान के दौरान अनुपस्थित रहे। इनमें बांग्लादेश, श्रीलंका, पाकिस्तान, ईरान, इराक, ओमान, सहित कई खाड़ी देश और इस्लामिक देश शामिल हैं। अमेरिका के पाला बदलने के बाद कुछ देशों ने इसका विरोध करने के बजाए मतदान में अनुपस्थित रहना बेहतर समझा है। यूक्रेन के विपक्ष में मतदान करने वाले देशों की संख्या सिर्फ 18 ही है। इनमें अमेरिका के अलावा, रूस, इजरायल, हंगरी, उत्तर कोरिया, बेलारूस जैसे देश शामिल हैं।

सियोल। दक्षिण कोरिया में निमार्णाधीन पुल ढहा, तीन की मौत, सात घायल।

दक्षिण कोरिया में निमार्णाधीन पुल ढहा, तीन की मौत, सात घायल

सियोल, (हि.स.)। दक्षिण कोरिया में मंगलवार सुबह लगभग 9:49 बजे एक निमार्णाधीन पुल ढह गया। यह हादसा चुंगचेओंग प्रांत के चेओनान के पास सियोल-सेजोंग राजमार्ग पर हुआ। हादसे में कम से कम तीन श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि सात अन्य घायल हो गए। द कोरिया टाइम्स के अनुसार, सियोल-सेजोंग राजमार्ग पर निर्माण के दौरान पुल के लिए तैयार किए गए 50 मीटर लंबे पांच स्टील सपोर्ट ढह गए। गंभीर रूप से घायल सात लोगों में से एक को कार्डियक अरेस्ट हुआ। अग्निशमन अधिकारियों का मानना है कि कई कर्मचारी मलबे में दबे हुए हैं। राहत और बचाव अभियान शुरू किया गया है।

कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने आंतरिक और सुरक्षा मंत्रालय, भूमि, बुनियादी ढांचा और परिवहन मंत्रालय, राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी, राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी और दक्षिण चुंगचेओंग प्रांतीय सरकार को तेजी के साथ राहत और बचाव अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है। इस पुल का निर्माण हुंडई इंजीनियरिंग कंपनी कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता मलबे में दबे लोगों को सकुशल बाहर निकालने की है।

Page-07_Layout 1 2/25/2025 9:11 PM Page 1

सेना सेवा ने मेरी कबड्डी क्षमता को बढ़ाया : देवांक दलाल

कटक, (हि.स.)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 में पटना पाइरेट्स और सर्विसेज के स्टार रेडर देवांक दलाल ने अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा है।

301 रेड पॉइंट और 18 सुपर 10 के साथ वह लीग के सर्वश्रेष्ठ रेडर के रूप में उभरे।

उनकी शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्हें 71वीं सीनियर राष्ट्रीय पुरुष कबड्डी चैंपियनशिप में 'सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का खिताब भी मिला।

कटक के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में हुए फाइनल मुकाबले में सर्विसेज ने रेलवे को टाई-ब्रेकर में 6-4 से हराकर खिताब जीता, जिसमें दलाल ने निर्णायक रेड अंक हासिल किए। इस मुकाबले के बाद उन्होंने कहा, सेना में शामिल होने के बाद मुझे अहसास हुआ कि मैं कबड्डी में आगे बढ़ सकता हूं। सेना ने मेरी शारीरिक और मानसिक क्षमता को निखारा।

देवांक दलाल की कबड्डी यात्रा फुटबॉल और क्रिकेट से शुरू हुई, लेकिन दसवीं कक्षा के बाद उन्होंने कबड्डी को करियर के रूप में चुना। जयपुर पिंक पैंथर्स से प्रो कबड्डी की शुरूआत करने के बाद वह सीजन 11 से पहले पटना पाइरेट्स में शामिल हुए।

पटना पाइरेट्स के लिए चयन होने पर उनके गांव में जश्न मनाया गया। उन्होंने कहा, पूरा गांव खुशी मना रहा था। लोगों ने लड्डू और रसगुल्ले बांटे।

पीकेएल सीजन 11 में देवांक दलाल ने 301 रेड पॉइंट और 18 सुपर 10 के साथ जबरदस्त प्रदर्शन किया और पटना पाइरेट्स को फाइनल तक पहुंचाया। हालांकि, खिताबी मुकाबले में उनकी टीम को हरियाणा स्टीलर्स के खिलाफ 32-23 से हार का सामना करना पड़ा।

अपनी सफलता के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, हमारी टीम में मुख्य रेडर जैसा कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। सभी खिलाड़ी समान रूप से योगदान देते हैं। मेरी और अयान लोहचब की साझेदारी बेहतरीन रही।

देवांक दलाल अपने खेल की बारीकियों को लेकर भी बेहद सजग हैं। उन्होंने कहा, मैं जहां भी रेड करता हूं झ छह, चार या पांच पोजीशन पर झ वहां मूवमेंट और रुकने से बड़ा फर्क पड़ता है। अगर मैं अपनी मूवमेंट रोकता हूं, तो जल्दी पकड़ा जाता हूं, लेकिन सही टाइमिंग से पॉइंट लेना आसान हो जाता है।

आगे की योजनाओं पर देवांक दलाल का कहना है कि वह अपनी तकनीक को लगातार सुधारना चाहते हैं और टीम को अधिक से अधिक सफलता दिलाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

उनके प्रदर्शन को देखते हुए यह तय है कि वह भविष्य में भारतीय कबड्डी के बड़े सितारे बन सकते हैं।

सोफिया में 76वें स्ट्रैंड्जा बॉक्सिंग टूर्नामेंट का आगाज, भारत ने नहीं लिया हिस्सा।

दुबई में यूनान के स्टीफनोस टिसिसपास इटली के लौरेंजो सोनेगो के खिलाफ मिली जीत के बाद उत्साहित नजर आये।

आईपीएल 2025 : केकेआर की कप्तानी के लिए तैयार वेंकटेश अय्यर

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर ने संकेत दिया है कि यदि उन्हें जिम्मेदारी दी जाती है तो वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की कप्तानी संभालने के लिए तैयार हैं। गत चैंपियन केकेआर ने अभी तक अपने नए कप्तान की घोषणा नहीं की है, जबकि उन्होंने पूर्व कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज कर दिया था। श्रेयस अब पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की कप्तानी करेंगे।

केकेआर अपना पहला मुकाबला 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेलेगा, लेकिन टीम ने अभी तक अपने नए कप्तान के नाम का खुलासा नहीं किया है। वेंकटेश अय्यर, जिन्हें नीलामी में 23.75 करोड़ रुपये (लगभग 2.83 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की रिकॉर्ड राशि में खरीदा गया था, को भारत के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ शीर्ष दावेदारों में से एक माना जा रहा है।

हालांकि 30 वर्षीय अय्यर ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में अब तक किसी भी टीम की कप्तानी नहीं की है, लेकिन वह इस भूमिका के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने हाल ही में ईएसपीएनक्रिकइन्फो से बातचीत में कहा, निश्चित रूप से, मैं तैयार हूं। कप्तानी सिर्फ एक टैग है, लेकिन नेतृत्व सबसे महत्वपूर्ण चीज है।

अय्यर ने आगे कहा, ड्रेसिंग रूम में नेतृत्व करने के लिए आपको कप्तान होने की जरूरत नहीं है। आपको उदाहरण पेश करना होगा और मैदान के अंदर और बाहर एक आदर्श रोल मॉडल बनना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि मध्य प्रदेश टीम में भी, जहां वह कप्तान नहीं हैं, उनकी राय को महत्व दिया जाता है और वह नेतृत्व की इस भूमिका का आनंद लेते हैं।

अय्यर 2021 में आईपीएल में पदार्पण करने के बाद से केकेआर के लिए एक अहम खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने उस सीजन में टीम के भाग्य को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने अब तक केकेआर के लिए 51 मैचों में 137 की स्ट्राइक रेट से 1326 रन बनाए हैं और जरूरत पड़ने पर गेंदबाजी में भी योगदान दिया है।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि केकेआर की टीम प्रबंधन कप्तानी को लेकर क्या फैसला लेती है और क्या वेंकटेश अय्यर को यह जिम्मेदारी सौंपी जाती है या नहीं।

स्टेला चेसांग टीसीएस लंदन मैराथन 2025 में लेंगी हिस्सा

कंपाला, (हि.स.)। युगांडा की स्टार एथलीट स्टेला चेसांग 27 अप्रैल को होने वाली टीसीएस लंदन मैराथन 2025 में हिस्सा लेंगी। युगांडा एथलेटिक्स फेडरेशन (यूएएफ) के अध्यक्ष डोमिनिक ओटुचेट ने सिन्हुआ से इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पुरुष वर्ग में जैकब किप्लिमो और महिला वर्ग में चेसांग युगांडा का प्रतिनिधित्व करेंगे।

ओटुचेट ने कहा, हम अपने एथलीटों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि वे बेहद अनुभवी धावक हैं।

2018 के गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में 10,000 मीटर का स्वर्ण पदक जीत चुकीं 28 वर्षीय चेसांग को लंदन मैराथन में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उनके सामने केन्या की मौजूदा चैंपियन पेरेस जेपचिरचिर और विश्व रिकॉर्ड धारक रूथ चेपनगेटिच जैसी दिग्गज एथलीट होंगी।

इसके अलावा, दो बार की बर्लिन मैराथन चैंपियन टाइगिस्ट अस्सेफा (इथियोपिया) और ओलंपिक मैराथन विजेता सिफान हसन (नीदरलैंड्स) भी खिताब के लिए मजबूत दावेदार होंगी।

चेसांग ने अपनी तैयारियों को लेकर कहा, मैं इस मैराथन का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं और कड़ी मेहनत कर रही हूं, क्योंकि मुझे पता है कि प्रतियोगिता बेहद चुनौतीपूर्ण होगी।

गौरतलब है कि चेसांग ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने के अलावा विश्व क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में 10वां स्थान हासिल किया था। वह 2016 रियो ओलंपिक में युगांडा का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और 10,000 मीटर एवं हाफ मैराथन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बना चुकी हैं।

दिल्ली

एमसीडी में हंगामा, पारित हुए दो प्रस्ताव, भाजपा ने कहा-कार्यवाही अवैध

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली नगर निगम की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी (आआपा) ने मंगलवार को एक साथ 12 हजार कर्मचारियों को पक्का करने और हाउस टैक्स माफ कराने से जुड़े दो अहम प्रस्ताव सदन में पारित करा दिए। विपक्षी दल भाजपा का आरोप है कि सदन को समय से पूर्व संचालित कर निगमायुक्त की गैर मौजूदगी में ऐसा किया गया।

दिल्ली नगर निगम सदन की बैठक आज दो बजे से निर्धारित थी। आम आदमी पार्टी ने दावा किया है कि सदन में उसकी ओर से लाए गए दो प्रस्ताव पारित कर दिए गए जबकि भाजपा ने कहा कि सदन की यह कार्रवाई अवैध तरीके से चलाई गई। इस मुद्दे पर सदन में हंगामा भी हुआ।

मेयर महेश कुमार खिंची ने मंगलवार को एमसीडी के सदन में हुए हंगामे के बाद प्रेस वार्ता को सम्बोधित किया। इस मौके पर डिप्टी मेयर रविंद्र भारद्वाज और नेता सदन मुकेश गोयल भी मौजूद थे। मेयर ने कहा कि आम आदमी पार्टी जनता से किए वादों को पूरा करने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि भाजपा के हंगामे के बावजूद एक सौ गज या इससे कम एरिया में बने मकानों के लिए हाउस टैक्स पूरी तरह से माफ करने का प्रस्ताव पारित कर दिया गया है।

इसके तहत समय से हाउस टैक्स जमा करने पर एक सौ से पांच सौ गज के मकानों पर 50 फीसद और 13 सौ रिहायशी सोसायटी को भी हाउस टैक्स में 25 फीसद की छूट मिलेगी। मेयर ने बताया कि सदन की बैठक में भाजपा द्वारा किए गए हंगामे में दो ऑन टेबल प्रस्ताव भी पास कर दिए गए हैं। इसके साथ ही सदन की कार्यवाही अगली बैठक तक के लिए स्थगित की गई।

नेता सदन मुकेश गोयल ने बताया कि सदन में 70 से ज्यादा पार्षद आम आदमी पार्टी के थे और इस प्रकार बैठक चलाने के लिए कोरम पूरा था। उन्होंने कहा कि बैठक समय पर शुरू हुई और हर बार की तरह इस बार भी हंगामे की भेंट चढ़ गयी। उन्होंने कहा कि हम जनता को सुविधा देने की बात कर रहे थे। भाजपा अगर जनता के हितों से सरोकार रखती तो उनको भी हमारे साथ इन प्रस्तावों का समर्थन करना चाहिए था लेकिन इसके विपरीत उन्होंने हंगामा किया।

उधर, भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने सदन को अवैध रूप से संचालित किया है। विपक्ष के नेता राजा इकबाल सिंह ने इस संबंध में निगमायुक्त को पत्र लिखकर आज की सदन की कार्यवाही को अमान्य घोषित करने की मांग की है।

राजा इकबाल सिंह ने एमसीडी कमिश्नर को लिखे पत्र में डीएमसी एक्ट 1952 का हवाला दिया है। उन्होंने कहा कि मेयर ने सदन को अधिनियम का उल्लंघन करते हुए अवैध तरीके से संचालित किया है। बैठक 2:00 बजे होनी थी जबकि आम आदमी पार्टी के 25-30 पार्षदों की उपस्थिति में 1.50 बजे ही कार्यवाही को प्रारंभ कर दिया गया। कानून के प्रावधानों के अनुसार निगमायुक्त का सदन में होना अनिवार्य है लेकिन निगमायुक्त की अनुपस्थिति में सदन की प्रक्रिया संचालित की गई। इस दौरान कोई भी विपक्षी भारतीय जनता पार्टी का सदस्य उपस्थित नहीं था।

उन्होंने कहा कि सदन में प्रस्तावों को एक-एक करके पास किया जाना चाहिए जबकि यह एजेंडे के तौर पर सभी एक साथ पास कर दिए गए। इसके अलावा आम आदमी पार्टी एमसीडी में बहुमत खो चुकी है, ऐसे में उन्होंने अपने नेतृत्व में आखिरी बैठक का इस्तेमाल कर लोकलुभावन घोषणाएं की हैं।

पुलिस पर हमला करने के दो आरोपित मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, (हि.स.)। मध्य जिले के पटेल नगर इलाके में मंगलवार सुबह पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों गिरफ्तार किया है। इन बदमाशों पर आरोप है कि इन्होंने दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में राजेंद्र नगर के पुलिस कर्मियों पर हमला किया था। इस दौरान एक सब-इंस्पेक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। सब-इंस्पेक्टर अस्पताल में भर्ती है, जहां उसका इलाज चल रहा है। मुठभेड़ में दोनों बदमाश घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। दोनों आरोपितों की पहचान अनीश उर्फ लोहा (23) और अनुराग यादव उर्फ फ्रूटी (22) के रूप में हुई है।

मध्य जिले के डीसीपी एम हर्षवर्धन के अनुसार मुठभेड़ मंगलवार सुबह 4:25 बजे हुई। पुलिस की टीम को सुबह सूचना मिली थी कि आनंद पर्वत इलाके में पुलिस पर हमला करने वाले आरोपित पटेल नगर में छिपे हुए हैं। इसके बाद जिले की स्पेशल स्टाफ ने उस इलाके की घेराबंदी कर कार्रवाई की गई और पुलिस ने आरोपितों को घेर लिया। खुद को फंसता देख आरोपितों ने पुलिस टीम पर गोली चला दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई में गोली चलाई। मुठभेड़ के दौरान दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। डीसीपी के अनुसार जांच में पता चला है कि दोनों आरोपितों पर हत्या समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपितों के पास से दो देसी पिस्तौल बरामद की हैं।उल्लेखनीय है कि सोमवार को राजेन्द्र नगर थाना पुलिस लूटपाट के मामले में शामिल आरोपित गुड्डू व एक नाबालिग लड़की को पकड़ने आनंद पर्वत गए थे। पुलिस ने दोनों को पकड़ भी लिया था। उसी दौरान आरोपितों के साथियों ने पुलिस टीम पर हमला किया। इस बीच एक आरोपित ने सब-इंस्पेक्टर नीरज चौधरी की पीठ पर चाकू से हमला किया था। पुलिस ने उक्त मामले में राज नाम के एक आरोपित को कल ही गिरफ्तार किया था।

दिल्ली विधानसभा का सत्र अब 3 मार्च तक चलेगा

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के मौजूदा सत्र का कार्यकाल आज दो दिन के लिए बढ़ा दिया गया। पहले इसे 27 तक चलना था लेकिन आज इसे दो दिन बढ़ा दिया गया। अब यह सत्र 3 मार्च तक चलेगा। दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने के बाद दिल्ली विधानसभा का तीन दिवसीय सत्र सोमवार 24 फरवरी से आरंभ हुआ था। इसमें तीन दिन 24, 25 और 27 फरवरी को कामकाज होना था। आज दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही के दौरान अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि उन्हें सदन की कार्यवाही को दिन बढ़ाए जाने का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। इसके बाद उन्होंने सदन की सहमति ली और सत्र की अवधि दो दिनों के लिए बढ़ा दी। 28 मार्च को सदन की कार्यवाही 2 बजे प्रारंभ होगी और 3 मार्च को सदन की कार्यवाही नियमित समय से 11 बजे प्रारंभ होगी।

नई दिल्ली। मंगलवार को दिल्ली विधानसभा सत्र को संबोधित करने जाते दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना। साथ में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और स्पीकर विजेंद्र गुप्ता।

एआई का सदुपयोग और दिल्ली की नदियों का जीर्णोद्धार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : एबीवीपी

नई दिल्ली, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की दिल्ली इकाई ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर हाल ही में संपन्न 60वें प्रांत अधिवेशन में पारित प्रमुख प्रस्तावों के बारे में जानकारी दी और उनके प्रभावी कार्यान्वयन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल और प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने बताया कि दिल्ली के इस अधिवेशन में दिल्ली के विभिन्न शिक्षण संस्थानों (डीयू, जेएनयू, जामिया, जीजीएसआईपीयू, डीटीयू आदि) से आए 650 से भी अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया।

एबीवीपी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सदुपयोग, दिल्ली की नदियां - साहिबी और यमुना का जीर्णोद्धार और दिल्ली में सत्ता हस्तांतरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक विमर्श किया और इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सतत प्रयास करने का संकल्प लिया।

उन्होंने संगठन के आगामी कार्यक्रमों के बारे में बताया, जिनमें जनजातीय छात्र संसद, पूर्वोत्तर छात्र युवा संसद तथा मिशन साहसी जैसे महत्वपूर्ण आयोजन सम्मिलित हैं। एबीवीपी की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल ने कहा कि एबीवीपी 365 दिन समाज और छात्र हित में कार्य करने वाला संगठन है। गत 21 और 22 फरवरी को संपन्न हुए दिल्ली प्रदेश अधिवेशन में हमने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सकारात्मक विकास का माध्यम बनाने, इसके सर्वव्यापी उपयोग को बढ़ावा देने और दिल्ली में सत्ता हस्तांतरण के परिप्रेक्ष्य में समावेशी एवं सर्वांगीण विकास की अपेक्षा को लेकर प्रमुख प्रस्ताव पारित किए। इन सभी प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए हम प्रतिबद्ध हैं और हरसंभव प्रयास करेंगे।

एबीवीपी दिल्ली के नवनिर्वाचित प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने नई सरकार का स्वागत करते हुए कहा कि दिल्ली में सत्ता परिवर्तन सकारात्मक परिवर्तन है। हम नई सरकार का स्वागत करते हैं तथा साथ में हम आशा करते हैं कि नई सरकार छात्र हित को प्राथमिकता देगी और दिल्ली के समावेशी विकास के लिए प्रभावी कदम उठाएगी। हाल ही में सम्पन्न हुए 60वें प्रांत अधिवेशन में पारित प्रस्तावों के अनुरूप, एबीवीपी वर्षभर छात्र एवं समाज हित के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

Page-08_Layout 1 2/26/2025 3:04 AM Page 1

सपा सरकार में हर काम को समाजवादी नाम दिया जाता था जबकि पैसा सरकारी होता था : योगी

- **सीएम योगी ने विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान प्रश्न का दिया जवाब, बोले आज इलाज कराने में किसी को कठिनाई नहीं हा रही**
- **प्रदेश में 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का दिया जा रहा लाभ**
- **सपा सरकार में केवल पार्टी से जुड़े लोगों को ही मिलता था इलाज के लिए पैसा, हम बिना किसी भेदभाव के दे रहे लाभ**

दिव्य भारत संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को विधान परिषद में प्रश्नकाल के दौरान एक प्रश्न का जवाब देते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में बताया। सीएम ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के किसी भी गरीब के लिए उपचार कराना कठिन नहीं रहा है।

प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत प्रदेश में 10 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जा रहा है। वहीं सरकारी कर्मचारियों का पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलैस स्वास्थ्य योजना के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य की सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। इसके अलावा मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पिछले आठ वर्षों में हर जरूरतमंद को इलाज के लिए बिना किसी भेदभाव के धनराशि उपलब्ध करायी गयी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में केवल पार्टी से जुड़े लोगों को ही इलाज के लिए पैसा दिया जाता था। उस दौरान हर कार्य को समाजवादी नाम दिया जाता था जबकि पैसा सरकारी होता था। यही हाल मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के पैसा का भी हो गया था, लेकिन अब समाजवादी सरकार नहीं है। आज हमारी सरकार संवेदनशील तरीके से बिना किसी भेदभाव के प्रदेशवासियों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। वहीं सरकार इलाज के दौरान अतिरिक्त धनराशि की मांग को भी पूरा कर रही है क्योंकि कोई भी मानव क्षति परिवार के साथ समाज और प्रदेश की भी क्षति होती है। हम इस भाव के साथ काम कर रहे हैं।

प्रदेश में आजादी के बाद से वर्ष 2017 तक केवल 17 मेडिकल कॉलेज सरकारी क्षेत्र में थे जबकि आज हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज के निर्माण की कार्रवाई तेजी से चल रही है।

इन मेडिकल कॉलेजों में अच्छे प्रोफेसर लगातार तैनात किये जा रहे हैं। इसके लिए जिलाधिकारियों को अपने स्तर से भी अच्छे डॉक्टर्स को जिला अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी में तैनात करने के निर्देश दिये गये हैं। मेडिकल कॉलेज में अच्छी फैकल्टी और सुपर स्पेशलिटी के ब्लॉक बनाने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं। इसके अलावा हर रविवार को हर पीएचसी स्तर पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का भी आयोजन किया जा रहा है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। आज प्रदेश के हर जिले में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा दी जा रही है।

महाशिवरात्रि पूजन के साथ विधिवत संपन्न होगा महाकुम्भ

- **अखाड़ों की विदाई के साथ महाशिवरात्रि पर होगा महाकुम्भ का अंतिम पूजन**
- **महाकुम्भ के समापन से पूर्व जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरि ने दिया संदेश**
- **महाकुम्भ की अद्भुत व्यवस्था के लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दी बधाई**

दिव्य भारत संवाददाता

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज में महाकुम्भ 2025 अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया है, जहां करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, अखाड़ों की दिव्यता और संतों के आशीर्वाद ने इसे ऐतिहासिक बना दिया। बुधवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अंतिम पूजन के साथ कुम्भ के धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण होंगे। जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज ने इसे भारत की सनातन संस्कृति और सामाजिक समरसता का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह आयोजन विश्व में अनूठा है। इस अद्भुत आयोजन को सफल बनाने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी।

जूना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने महाकुम्भ 2025 के समापन पर कहा, महाकुम्भ हमारी दिव्यताओं का प्रतीक है। हमारी संस्कृति तब से चली आ रही है जब से अम्बर, अग्नि, जल, वायु और मानव अस्तित्व में आए। उन्होंने बताया कि कुम्भ के सभी धार्मिक अनुष्ठान पूर्ण होने के बाद वे काशी पहुंच चुके हैं। महाशिवरात्रि के पूजन के साथ महा कुम्भ की परंपराएं विधिवत संपन्न हो जाएंगी।

जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर ने कहा, हमने यहां एकता और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम देखा। पूरा विश्व यह देखकर चकित है कि कैसे करोड़ों भारतीय एकजुट हुए।उन्होंने इस आयोजन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यूनिस्को ने इसे अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी है। 60-62 करोड़ लोगों का एक ही शहर में आना, यह अपने आप में एक अनोखी घटना रही।

उन्होंने कहा, महाकुम्भ बिना किसी अव्यवस्था के संपन्न हुआ, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देता हूं। उनकी दूरदर्शिता और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह आयोजन पूरी तरह सफल रहा।

सपा नेताओं ने कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन

दिव्य भारत संवाददाता

प्रतापगढ़ । समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री, मरणोंपरानतप पदमभूषण सम्मान से सम्मानित स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव के ऊपर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक अभद्र टिप्पणी एवं आशोभनीय भाषा का प्रयोग किए जाने पर समाजवादी पार्टी के मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड जिला अध्यक्ष साजिद अली, अधिवक्ता सभा प्रदेश सचिव वकार अहमद ,लोहिया वाहिनी जिला महासचिव अनम सिद्दीकी व नगर अध्यक्ष निसार अहमद के नेतृत्व में महामहिम राजपाल महोदय को संबोधित ज्ञापन कलेक्ट्रेट में स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में दिया गया।

ज्ञापन के द्वारा उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को तत्काल प्रभाव से मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए जाने और भविष्य में किसी नेता के विरुद्ध इस तरीके से अभद्र टिप्पणी न किए जाने का ज्ञापन सौंपा गया।

रक्षा मंत्री रहते हुए शहीदों का शव उनके परिवार को दिलाने का काम स्वर्गीय नेताजी ने ही किया था। इस दौरान मोहम्मद साहिल खान एडवोकेट, गौरव मिश्रा, अंकुर मौर्य, सलमान ,फैजान मोहम्मद, नसीम, विधानसभा अध्यक्ष रामबहादुर पटेल, सुरेश यादव, अरविंद यादव, राजेश यादव, समीर आदि लोग मौजूद रहे।

एनएसयूआई के द्वारा कलेक्ट्रेट में 5 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा

दिव्य भारत संवाददाता

प्रतापगढ़। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष शुभम मिश्रा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय पर इकट्ठा होकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट में पहुंचकर 5 सूत्रीय मांगपत्र जिला प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

जिलाध्यक्ष शुभम मिश्रा ने कहा कि जेठवारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत धनसारी में साधुरी शिरोमणि इण्टर कॉलेज में इंटर के छात्र शिवम सिंह को यूपी बोर्ड की परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र न देने पर फीस न जमा करने की बात कहकर घर भेज दिया गया, उसके बाद देर रात छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी।

जिला प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि कॉलेज के प्रबन्धक व प्रधानाचार्य सहित दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। साधुरी शिरोमणि इण्टर कॉलेज, जेठवारा की मान्यता रद्द की जाए। क्या कॉलेज प्रशासन द्वारा मानक के अनुरूप 25% छात्रों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है? यदि नहीं तो इनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जाए। जिससे भविष्य में किसी कॉलेज द्वारा ऐसी घटना कारित न की जा सके। उन्होंने मांग किया कि मृतक छात्र के परिजनों को 25 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकद्दमा चलाया जाए। जिससे दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी से कड़ी सजा व पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। इस दौरान कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी, राघवेन्द्र तिवारी, आशीष शुक्ला, मो.दिलशाद, रियाज सुलतान, मो.ईदरिशी, अरबाज आलम, रवि प्रताप सिंह, शिवपूरन वर्मा, हिमांशु वर्मा, विजय तिवारी, प्रभात रंजन, शिवांशु भट्ट, मानस तिवारी, वैभव पांडेय,अभिषेक पांडेय उपस्थिति रहे।

महाशिवरात्रि पर बनेगा सूर्य, चंद्रमा और शनि का विशेष त्रिग्रही योग

- **महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करने का शुभ ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:17 से सुबह 6:05 मिनट तक**

मुरादाबाद, (हि.स.)। श्री हरि ज्योतिष संस्थान लाइनपार के संचालक ज्योतिषाचार्य पं. सुरेंद्र कुमार शर्मा ने मंगलवार को बताया कि बुधवार 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि के दिन सूर्य, चंद्रमा और शनि का विशेष त्रिग्रही योग बन रहा है। यह योग सफलता और समृद्धि का प्रतीक है। महाशिवरात्रि के दिन शिव योग और सिद्ध योग का संयोग बन रहा है। इन योगों में की गई पूजा-अर्चना से मनोकामनाएं जल्दी पूर्ण होती हैं।

पं. सुरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करने का शुभ मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्त में सुबह 5 बजकर 17 मिनट से 6 बजकर 5 मिनट तक रहेगा इसके बाद सुबह 8 बजकर 15 मिनट से 9 बजकर 5 मिनट रहेगा। शुभ अभिजीत मुहूर्त 11 बजकर 35 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 तक हैं। वहीं पहले प्रहर की पूजा का समय शाम को 6 बजकर 29 मिनट से रात 9 बजकर 34 मिनट तक है। जलाभिषेक करने का मुहूर्त दोपहर 3 बजकर 25 मिनट से शाम 6 बजकर 08 मिनट तक है। जलाभिषेक करने का रात्रि मुहूर्त रात्रि 8 बजकर 54 मिनट से शुरू होकर रात्रि 11 बजकर 34 मिनट तक रहेगा। 26/27 फरवरी को निशित काल रात 12 बजकर 09 मिनट से लेकर 12 बजकर 59 मिनट तक रहेगा। 26/27 फरवरी को अर्धरात्रि 12 बजकर 34 मिनट से सुबह 3 बजकर 41 मिनट तक रहेगा। 27 फरवरी को सुबह 4 बजकर 41 मिनट से सुबह 6 बजकर 48 मिनट तक रहेगा।

पं. सुरेंद्र कुमार शर्मा ने आगे बताया कि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि पर महाशिवरात्रि का व्रत रखा जाता है। चतुर्दशी इस साल 26 फरवरी की सुबह 11 बजकर 8 मिनट पर शुरू होगी और इस तिथि का समापन 27 फरवरी की सुबह 8 बजकर 54 मिनट पर होगा। ऐसे में शिवरात्रि का व्रत 26 फरवरी के दिन रखा जाएगा। पौराणिक मान्यता के अनुसार, महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। उन्होंने आगे बताया कि इस पावन दिन पर ऊं नमो भगवते रूद्राय, ऊं नमः शिवाय रूद्राय शम्भवाय भवानीपतये नमो नमः मंत्रों का जाप करें और शिव पुराण का पाठ ,महामृत्युंजय मंत्र जाप व रुद्राभिषेक आदि से महाशिवरात्रि की रात्रि में जागरण का भी विशेष महत्व है।

महाशिवरात्रि के दिन महादेव का ध्यान कर व्रत का संकल्प लें। इसके बाद मंदिर जाकर शिवलिंग व शिव परिवार पर जल चढ़ाएं।इसके बाद कच्चा दूध, तिल काले, अक्षत, गंगाजल, देसी घी,बेलपत्र, भांग, गन्ना, धतूरा, जायफल, फल, मिष्ठान, चंदन देसी घी का दीपक, धूपबत्ती आदि से पूजन करें।

नोएडा स्पोर्ट्स सिटी घोटाले की सीबीआई जांच के निर्देश

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाइकोर्ट ने नोएडा स्पोर्ट्स सिटी घोटाले में सीबीआई और ईडी जांच का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इस मामले में बिल्डरों, कंसोर्टियम और नोएडा अधिकारियों के खिलाफ घर खरीदारों के पैसे हड़पने, नोएडा के अधिकारियों, डेवलपर्स और घोटाले से जुड़े अन्य व्यक्तियों सहित सभी शामिल लोगों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। आदेश में पूरे स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट को भ्रष्टाचार की एक पाठ्यपुस्तक का विशेष उदाहरण बताया।

यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी एवं न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने नोएडा में चार स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं में से तीन को कवर करते हुए दस अलग-अलग निर्णय दिए। इसमें प्रमुख डेवलपर्स और कंसोर्टियम हिस्सेदारों दोनों की जवाबदेही को ठहराया गया है। कोर्ट ने लैंड यूज वायलेशन, वित्तीय अनियमितता, दिवालिया कार्यवाही और स्पोर्ट्स सुविधाओं के पूरा न होने सहित कई अन्य पहलुओं की जांच करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि उसके पास जांच सीबीआई को सौंपने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।

कोर्ट ने पाया कि नोएडा से महत्वपूर्ण लाभ और रियायतें लेने के बाद भी डेवलपर्स ने अनिवार्य खेल सुविधाओं को बनाने की बजाय केवल व्यवसायिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया। ये ऑर्डर सेक्टर 78, 79 और 101 में स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाओं से संबंधित हैं। सेक्टर 150 में दो स्पोर्ट्स सिटी परियोजनाएं जिसे लॉजिक्स इंफ्रा डेवलपर्स और लोटस ग्रीन्स कंस्ट्रक्शन द्वारा विकसित की गईं। वहीं सेक्टर 78-79 में परियोजनाओं के प्रमुख डेवलपर्स और लॉजिक्स की स्पोर्ट्स सिटी परियोजना वर्तमान में दिवालियेपन की कार्यवाही से गुजर रही है। कोर्ट ने इसे वित्तीय और कानूनी दायित्वों से बचने के लिए एक जानबूझकर रणनीति करार दिया।

स्पोर्टस सिटी के प्रमुख डेवलपर्स ने याचिका के माध्यम से नोएडा द्वारा की जा रही कार्रवाई से बचने की मांग कोर्ट से की थी। हाइकोर्ट ने उनके दावों को खारिज कर दिया। साथ ही कहा कि डेवलपर्स मूल योजना के अनुसार परियोजना का निर्माण नहीं कर सके। इनसाल्वेंसी को देनदारी से बचने के लिए ढाल बनाते रहे। इस मामले में नोएडा के पास लंबित बकाया वसूलने और कानूनी कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। साथ ही राज्य सरकार को वित्तीय कुप्रबंधन और धोखाधड़ी की आगे की जांच शुरू करनी चाहिए।

गौरतलब है कि, सीएजी ऑडिट में स्पोर्ट्स सिटी आवंटन में बड़ी वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा किया गया था। इससे नोएडा और राज्य सरकार को 9000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। ऑडिट में पाया गया कि डेवलपर्स को जमीन कम कीमत पर दी गई। डेवलपर्स द्वारा नोएडा को साइड लाइन करते हुए स्वामित्व का अनधिकृत हस्तांतरण किया गया। लीज प्रीमियम, जुमार्ना और ट्रांसफर चार्ज तक नहीं दिए गए। साथ ही खेल के बुनियादी ढांचे के पूरा न होने के बावजूद अधिभोग प्रमाण पत्र जारी किए गए थे।

कोर्ट ने कहा कि, सीएजी रिपोर्ट 2021 में प्रकाशित हुई थी। फिर भी न तो नोएडा और न ही राज्य सरकार ने सम्बंधित अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने या बिल्डरों से बकाया वसूलने जैसी कोई कार्रवाई की। उठाया गया एकमात्र कदम डेवलपर्स को भुगतान की मांग के लिए नोटिस भेजा गया था, जिस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। कोर्ट ने नोएडा और राज्य के अधिकारियों को उनकी निष्क्रियता और मिलीभगत के लिए फटकार लगाते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों में नोएडा में कई बड़े अधिकारी आए और गए लेकिन किसी भी अधिकारी ने चिंता नहीं जताई या घाटे की भरपाई करने का प्रयास नहीं किया।

महाकुम्भ में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अधिकारियों की उपस्थिति में विश्व की सबसे लम्बी हैंड प्रिंटिंग पेंन्टिग बनाने का किया गया अभूतपूर्व प्रयास(

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन को जनपद न्यायाधीश ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

धर्मेन्द्र श्रीवास्तव

प्रतापगढ़। 8 मार्च 2025 शनिवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन को जनपद न्यायालय परिसर से जनपद न्यायाधीश अब्दुल शाहिद द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय के साथ-साथ सभी तहसीलों में किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत में तहसील व जनपद न्यायालय से लेकर माननीय सर्वोच्च न्यायालय स्तर तक के किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामलों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित किए जाने हेतु आवेदन पत्र देकर अंतिम आदेश व निर्णय प्राप्त कर सदैव के लिए लंबित मामले से छुटकारा पाने का स्वर्णिम अवसर है। इस अवसर पर मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण के पीठासीन अधिकारी दिवाकर प्रसाद चतुर्वेदी, नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत अजय कुमार सहित न्यायिक अधिकारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल, पैनल अधिवक्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलवी उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं का आन्दोलन जारी रहेगा

अजीत प्रताप सिंह

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ कलेक्ट्रेट में जूनियर बार एसोसिएशन के साथ मिलकर ऑल इंडिया रूरल बार एसोसिएशन के समस्त अधिवक्ताओं ने आज अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 के विरोध में अधिवक्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गहरा आक्रोश व्यक्त किया। भारी संख्या में अधिवक्ताओं ने पूरे कलेक्ट्रेट परिसर में घूम कर सरकार के विरोध में नारे लगाए तथा इस काले कानून को वापस करने की मांग को दोहराते हुए कहा, जब तक यह कानून वापस नहीं हो जाता तब तक अधिवक्ता लोग आंदोलन करते रहेंगे। सरकार द्वारा अधिवक्ताओं की स्वतंत्रता के ऊपर जो पाबंदियां लगाई जा रही हैं सभी ने एक स्वर में इसका विरोध किया। आंदोलन की अध्यक्षता आल इंडिया रूरल बार के प्रदेश अध्यक्ष मुक्कू ओझा जिला अध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा तथा जूनियर बार के महामंत्री विवेक त्रिपाठी अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह पूर्व महामंत्री जयप्रकाश मिश्रा जेपी दीपक मिश्रा दीपू सचिंद्र सिंह शक्ति सिंह राघवेंद्र प्रताप सिंह आशीष श्रीवास्तव अमित सिंह दुर्गेश उपाध्याय रत्नाकर द्विवेदी अतुल सिंह प्रशांत सिंह बंटी प्रणव त्रिपाठी उत्तम सिंह शिवनायक सिंह आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

आजम खान के बेटे अब्दुला आजम जेल से रिहा

हरदोई, (हि.स.)। सपा के पूर्व मंत्री आजम खान के बेटे रामपुर के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम मंगलवार को जेल से रिहा हो गये हैं। उनके खिलाफ चल रहे 42 मामलों में जमानत मिलने के बाद सोमवार को कोर्ट से रिहाई का आर्डर हुआ था। जेल से रिहा होने के बाद सपा के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकर रामपुर के लिए रवाना हो गये। इस दौरान उन्होंने किसी से भी बात नहीं की बस अपने समर्थकों का अभिवादन करते दिखे। आजम के अधिवक्ता का कहना है कि अब्दुल्ला आजम को 17 माह बाद जेल से रिहा कर दिया गया है। सभी मुकदमों में जमानत मिलने के बाद उनकी रिहाई हुई हैं। शत्रु संपत्ति समेत 42 मामलों में उनकी रिहाई हुई है। दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में सात साल की सजा हुई थी। उनकी रिहाई होते ही सपा कार्यकर्ताओं, समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। अब्दुल्ला आजम का काफिला शाहजहांपुर रोड से होते हुए रामपुर के लिए प्रस्थान कर गया। सुरक्षा की दृष्टि से जगह जगह पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था की गई।

दिल्ली एनसीआर में सक्रिय शातिर चेन स्नैचर पुलिस मुठभेड़ में हुआ लंगड़ा, गिरफ्तार

गाजियाबाद, (हि.स.)। थाना साहिबाबाद पुलिस ने सोमवार की रात मुठभेड़ के दौरान दिल्ली एनसीआर में सक्रिय एक चेन स्नैचर को गिरफ्तार किया है। यह स्नैचर पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया है। उसके पैर में गोली लगी है। एसीपी रजनीश उपाध्याय ने मंगलवार को बताया कि थाना साहिबाबाद पुलिस अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाऐ जा रहे अभियान के तहत रेलवे स्टेशन कट के पास सघन वाहन चेकिंग कर रही थी। तभी कुछ देर बाद एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार रेलवे अंडर पास की तरफ से आता दिखाई दिया, जिसे पुलिस ने रोकने का इशारा किया तो वह रुका नहीं बल्कि रेलवे स्टेशन की तरफ मुड़कर तेजी से जाने लगा। कुछ दूर आगे चलकर जल्दबाजी में वह बाइक ओवर ब्रिज के पास गिर गई। इस दौरान बाइक सवार व्यक्ति खुद को घिरता देख पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नियत से फायर कर दिया। पुलिस टीम अपने आप को बचाते हुए आत्मरक्षार्थ व जवाबी कार्यवाही में बदमाश के बाए पैर में गोली लगी। वह घायल हो गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल भेजा। एसीपी ने बताया कि युवक की पहचान आरोपी सुमित उर्फ भूरी उर्फ भूरा पुत्र राममेहर गोस्वामी निवासी बंदफाटक थाना लोनी बॉर्डर है।